लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

शनिवार, 12 सितंबर, 203

वर्ष : 12 । अंक: 19

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

जीवन एक किताब है, जिसका हर पन्ना हमें कुछ न कुछ नया सिखाता है।

TODAY WEATHER

DAY 32° Hi

NIGHT 28° Low

संक्षेप

सतना प्रशासन मंदाकिनी नदी के किनारे बने निर्माण कार्यों और अतिक्रमण की जांच करेगा

सतना। मध्य प्रदेश के सतना जिले के प्रशासन ने चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के किनारे हुए निर्माण कार्यों और अतिक्रमण की जांच के लिए पांच सदस्यों की एक टीम बनाई है। यह कदम पिछले हफ्ते नदी में आई बाढ़ के बाद उठाया गया है। कलेक्टर सतीश कुमार एस. ने बताया कि मझगवां के सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट की अगुवाई वाली टीम उन ढांचों की पहचान करेगी जो नदी के प्राकृतिक बहाव में रुकावट डाल रहे हैं और मंदाकिनी नदी के हाई फ्लड लेवल (एचएफएल) का भी आकलन करेगी। उन्होंने कहा कि यह जांच सुप्रीम कोर्ट और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की गाइडलाइंस के अनुसार की जाएगी।

28-29 अगस्त की रात आई बाढ़ के दौरान आरोग्यधाम के पास मंदाकिनी नदी का जलस्तर 145.76 मीटर तक पहुंच गया था, जबकि इसका तय एचएफएल 139.60 मीटर है। बाढ़ में हनुमानधारा पुल भी बह गया था। उन्होंने कहा, टीम उन निर्माणों और दूसरे इंफ्रास्ट्रक्चर की पहचान करेगी जो नदी के प्राकृतिक बहाव में रुकावट डाल रहे हैं। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस टीम में चीफ म्युनिसिपल ऑफिसर, नायब तहसीलदार, पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट और वॉटर रिसोर्स डिपार्टमेंट के सब-डिविजनल ऑफिसर और म्युनिसिपल काउंसिल के सब-इंजीनियर शामिल हैं। जांच के दौरान नदी के किनारे गैर-कानूनी प्लॉटिंग और सरकारी व प्राइवेट निर्माण कार्यों की जांच की जाएगी। प्रशासन पुरानी और ढांचागत रूप से कमजोर इमारतों की भी पहचान करेगा और यह देखेगा कि क्या वे तय नियमों का पालन करती हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार, नदी के किनारे वाले इलाकों में नए निर्माण और दोबारा बनाई गई इमारतों की भी सुरक्षा के नजरिए से जांच की जाएगी।

फंदे से लटका मिला सेना के जवान का शव, जांच में जुटी पुलिस

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग शहर के पास स्थित छड़वा डैम के जंगल में शुक्रवार सुबह सेना के एक जवान का फांसी के फंदे से लटका शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान हजारीबाग निवासी धनंजय कुमार (पिता- राजकुमार महतो) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने शुक्रवार सुबह जंगल में युवक का शव पेड़ से लटका देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से नीचे उतारकर कब्जे में लिया। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना करने के साथ आसपास के इलाके की भी जांच की और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। जवान ने आत्महत्या की है या उसकी हत्या कर शव लटकाया गया है, यह साफ नहीं हो पाया है। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट या अन्य महत्वपूर्ण सुराग मिला है या नहीं, इसकी आधिकारिक जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। धनंजय के सेना में जवान होने की जानकारी सामने आने के बाद मामले को लेकर इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह के बारे में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

ब्रिक्स समिट से पहले दिल्ली बनी अभेद्य किला, 30 हजार से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात

नई दिल्ली, एजेंसी। 18वें ब्रिक्स समिट की तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। इसके साथ ही राजधानी दिल्ली छावनी में तब्दील हो गई है। सम्मेलन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बना दिया गया है। लुटियंस दिल्ली और VVIP इलाकों को सुरक्षा के कई घेरों में रखा गया है। एयरपोर्ट से लेकर भारत मंडपम और विदेशी मेहमानों के ठहरने वाले होटलों तक चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाबलों की नजर है।

चप्पे-चप्पे की निगरानी रखी जा रही

सामने आई जानकारी के अनुसार, करीब 15 हजार पुलिसकर्मी और अर्धसैनिक बलों की 200 कंपनियां दिल्ली में हस्तियों की सुरक्षा में तैनात हैं। दिल्ली में सुरक्षा इतनी सख्त कर दी गई है कि परिंदा भी पर नहीं मार सकता। अधिकारी के मुताबिक, VVIP इलाके में 500 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं जिनमें फेस रिकग्निशन सिस्टम और गाड़ियों के नंबर प्लेट पहचानने वाले कैमरे भी शामिल हैं। इसके अलावा दिल्ली पुलिस होटलों की सुरक्षा, कई लेयर में कर रही हैं। 30 हजार से अधिक सुरक्षाबल तैनात हैं और चप्पे-चप्पे की निगरानी रखी जा रही है।

VVIP इलाकों में 500 से ज्यादा CCTV कैमरे

VVIP इलाकों में 500 से ज्यादा CCTV कैमरे लगाए गए हैं। इनमें फेस रिकग्निशन और गाड़ियों के नंबर प्लेट पहचानने वाले कैमरे भी शामिल हैं। सुरक्षा के लिए एक केंद्रीय कंट्रोल रूम बनाया गया है, जहां से अलग-अलग इलाकों में लगे कैमरों के जरिए निगरानी की जा रही है। विदेशी मेहमान जिन होटलों में ठहरेंगे, वहां भी सुरक्षा की कई परतें बनाई गई हैं। VVIP इलाकों को अलग-अलग जोन में बांटा गया है और हर जोन की जिम्मेदारी एक DCP को दी गई है। एयरपोर्ट, होटल और कार्यक्रम स्थल के बीच मेहमानों की आवाजाही के दौरान भी सुरक्षा का खास ध्यान रखा जा रहा है। बता दें कि BRICS सम्मेलन में शामिल होने कई देशों के प्रमुख भारत आ रहे हैं।

VVIP मूवमेंट के समय ही बंद होंगे रास्ते

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, लोगों के लिए सभी रास्ते लगातार बंद नहीं किए जाएंगे। VVIP मूवमेंट के दौरान और जरूरत के मुताबिक ही कुछ रास्तों को थोड़ी देर के लिए बंद किया जाएगा। आम लोगों से प्रभावित रास्तों से बचने और वैकल्पिक मार्ग अपनाने की अपील की गई है। BRICS समिट के दौरान मेट्रो सेवा पर सामान्य तौर पर कोई प्रतिबंध नहीं रहेगा। यानी सड़क मार्ग पर कुछ समय के लिए बदलाव हो सकता है, लेकिन मेट्रो से सफर करने वालों को सामान्य तौर पर परेशानी नहीं होगी।

मोदी ने पहले पुतिन को 2100 साल पुरानी किताब भेंट की

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के भारत मंडपम में आ ऐतिहासिक तस्वीर नजर आई। पीएम नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गले मिले। इस दौरान पीएम मोदी ने पुतिन को संत तिरुवल्लुवर की तमिल किताब का रूसी अनुवाद भेंट किया और कहा कि ये जनता से जनता के जुड़ने की किताब है, जिसमें मानव जीवन के बारे में लिखा है, ये किताब हमारे संबंधों को और बढ़ाने के लिए है। उन्होंने पुतिन से कहा कि आपके लिए रूसी भाषा में इसका अनुवाद कराया है। पुतिन ने किताब पाकर पीएम मोदी को थैंक्यू कहा। किताब गिफ्ट करने के बाद पीएम मोदी और पुतिन के बीच जंग रुकवाने और व्यापार बढ़ाने पर चर्चा शुरू हुई।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने और द्विपक्षीय व्यापार, निवेश एवं ऊर्जा सहयोग बढ़ाने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत करने के लिए तीन दिवसीय भारत यात्रा पर शुक्रवार को यहां पहुंचे। पुतिन के साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी दिल्ली आया है। फरवरी 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह पहली बार होगा जब पुतिन रूस के बाहर आयोजित किसी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में खुद भाग लेंगे।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने मंगलवार को कहा था कि दोनों पक्ष ब्रह्मोस मिसाइल को उन्नत करने की संभावनाओं पर भी विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा था कि रूस भारत को शेष एस-400 सिस्टम देने के लिए प्रतिबद्ध है और सुखोई- 57 लड़ाकू विमानों की प्रस्तावित आपूर्ति को लेकर भी बातचीत जारी है।

SCO शिखर सम्मेलन के दौरान भी मिले थे मोदी-पुतिन

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन ने इससे पहले पिछले हफ्ते बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन से इतर मुलाकात की थी। इस दौरान पीएम मोदी ने यूक्रेन संघर्ष तत्काल खत्म किए जाने का आह्वान किया था और पुतिन से अंतहीन युद्ध से युद्ध के अंत की ओर बढ़ने का आग्रह किया था।

ईरानी राष्ट्रपति से भी मिलेंगे PM मोदी

रूसी राष्ट्रपति पुतिन के अलावा ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन भी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने और भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने और दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने पर पीएम मोदी के साथ बातचीत के लिए शुक्रवार को दिल्ली पहुंचे हैं। राष्ट्रपति बनने के बाद पेजेशकियन की यह पहली भारत यात्रा है। उनकी यात्रा ऐसे समय हो रही है जब अमेरिका द्वारा ईरान के खिलाफ नए आर्थिक दंड कदम उठाए जाने के बाद पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ गया है। ।ईरानी राष्ट्रपति पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। पेजेश्कियान ने दिल्ली रवाना होने से पहले कहा था कि ब्रिक्स समूह के सदस्य देशों को अपनी आर्थिक मजबूती बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा था कि ब्रिक्स का नया बैंक डॉलर पर देशों की निर्भरता कम करने और अमेरिका के वर्चस्व कायम करने के प्रयासों का मुकाबला करने के लिए बनाया गया था।

ब्रिक्स समिट 2026 : दक्षिण अफ्रीका, युगांडा और उरुग्वे से भारत पहुंचे विदेशी मेहमान, जोरदार स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ष 2026 में भारत की अध्यक्षता में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए शुक्रवार सुबह से ही विदेशी मेहमानों का भारत में आगमन शुरू हो गया है। शुक्रवार सुबह विदेश मंत्रालय ने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा, उरुग्वे के विदेश मंत्री मारियो लुबेटकिन और युगांडा की उपराष्ट्रपति जेसिका अलुपो का भारत पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर मेहमानों के आगमन की जानकारी साझा की।

विदेश मंत्रालय ने पोस्ट में लिखा, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा का 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली में हार्दिक स्वागत है। हवाई अड्डे पर उनका स्वागत केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने किया। मंत्रालय ने बताया कि भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच लंबे समय से मजबूत और दोस्ताना संबंध रहे हैं, जो हमारी रणनीतिक साझेदारी पर आधारित हैं। ब्रिक्स के साझेदार देशों के रूप में ग्लोबल साउथ के हितों को आगे बढ़ाने और उनके विकास के लिए मिलकर काम करने की हमारी प्रतिबद्धता मजबूत और अटूट है। मंत्रालय ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, उरुग्वे के विदेश मंत्री मारियो लुबेटकिन का हार्दिक स्वागत है। वे नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में 'कम्युनिटी ऑफ लैटिन अमेरिकन एंड कैरिबियन स्टेट्स' (सेलाक) का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। भारत और सेलाक मिलकर व्यापार बढ़ाने, तकनीकी ज्ञान और नवाचार साझा करने तथा ग्लोबल साउथ के देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। मंत्रालय ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में युगांडा की उपराष्ट्रपति जेसिका अलुपो का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है।

भारत मंडपम में मोदी-पुतिन की बैठक खत्म, ट्रेड से न्यूक्लियर तक इन मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच भारत मंडपम में द्विपक्षीय बातचीत समाप्त हो गयी है। दोनों नेताओं के बीच करीब 45 मिनट तक बैठक चली। भारत मंडपम पहुंचने पर पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन ने गर्मजोशी से एक-दूसरे का स्वागत किया और गले मिले। मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को तमिल के महान कवि तिरुवल्लुवर की प्रसिद्ध कृति तिरुक्कुरल के रूसी अनुवाद की पुस्तक भी भेंट की।

9/11 हमले के 25 साल, PM मोदी बोले- आतंकवाद के खिलाफ हमारा संकल्प अडिग

अमेरिका में हुए भयावह 9/11 आतंकी हमले को आज 25 साल पूरे हो गए। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमले में जान गंवाने वाले लोगों को याद किया और उनके परिवारों के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने कहा कि आतंकवाद ने दुनिया भर में अनगिनत जानें ली हैं। क्रॉस-बॉर्डर आतंकवाद का शिकार होने के नाते, भारत कई दशकों से इस लड़ाई में सबसे आगे रहा है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स में लिखा, 'भयानक 9/11 हमलों के 25 साल बाद हम पीड़ितों को याद करते हैं, उनका सम्मान करते हैं और उन परिवारों के साथ खड़े हैं जिनकी जिदगी हमेशा के लिए बदल गई।' उन्होंने भारत का जिक्र करते हुए कहा कि देश कई दशकों से सीमा पार आतंकवाद का सामना करता रहा है और इस लड़ाई में मजबूती से खड़ा है। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में आतंकवाद के खिलाफ भारत का संकल्प और लगातार मजबूत हो रहे काउंटर-टेररिज्म क्षमताओं को प्राथमिकता बताया।

बलिया में दो सगे भाइयों पर चाकू से हमला, एक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया में देर रात आपसी विवाद में एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। इस झड़प में एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हुआ, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने इस घटना के संबंध में तुरंत कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। पुलिस का कहना कि थाना उभांव अंतर्गत ग्राम सोनाडीह (दोथ) में एक सूचना प्राप्त हुई कि दो सगे भाइयों को गांव के ही उसके पटीदार ने अपने परिवार के साथ मिलकर चाकू घोंप दिया। इसमें दोनों भाई घायल हो गए थे, उनको तत्काल सीएससी उभांव लाया गया। जहां से बेहतर उपचार के लिए इनको जनपद मऊ के लिए रेफर किया गया। इलाज के दौरान एक भाई की अस्पताल में मौत हो गई, जबकि दूसरे भाई को बेहतर उपचार के लिए बीएचयू वाराणसी भेजा गया। मृतक की पहचान अमरेश के रूप में हुई है, जबकि घायल का नाम मंजेश सिंह है। प्रारंभिक जानकारी सामने आई है कि दोनों घायल भाइयों का पटीदार रामकरण सिंह किसी बात को लेकर गाली-गलौज कर रहा था। मंजेश और अमरेश सिंह ने उसको समझाने का प्रयास किया। इसी बीच रामकरण सिंह व उसके परिवार के सदस्यों ने दोनों भाइयों पर हमला बोल दिया। बलिया के अपर पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार शुक्ला ने बताया कि अमरेश और उसके भाई मंजेश सिंह को गांव के ही उसके पटीदार रामकरण सिंह, उसके पिता गिरीश सिंह, भाई सूरज सिंह,बहन व उसकी माता ने मिलकर चाकू मारा।

देशभर में आज बैंकों की हड़ताल

5-डे वर्किंग की मांग, 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

मुंबई, एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक , यूनियन बैंक समेत देशभर के सरकारी और कुछ निजी बैंकों की शाखाएं आज से लगातार तीन दिन बंद रहेंगी। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने 5-डे बैंकिंग की मांग को लेकर शुक्रवार को एक दिन की देशव्यापी हड़ताल का ऐलान किया है। इसके बाद 12 सितंबर को महीने का दूसरा शनिवार और 13 सितंबर को रविवार होने के कारण बैंक शाखाओं में कामकाज नहीं होगा।

बैंक यूनियनों ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार और बैंक प्रबंधन ने 5-डे बैंकिंग की मांग पर जल्द फैसला नहीं लिया, तो 26 अक्टूबर से देशभर के बैंकों में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जा सकती है। हड़ताल के कारण बैंक शाखाओं में नकद जमा-

निकासी, चेक से जुड़े काम और अन्य शाखा स्तर की सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। हालांकि, एटीएम, यूपीआई और मोबाइल बैंकिंग जैसी डिजिटल सेवाएं सामान्य रूप से उपलब्ध रहने की उम्मीद है। 8 मार्च 2024 को इंडियन बैंक्स एसोसिएशन के साथ 12वें द्विपक्षीय समझौते और 9वें संयुक्त नोट पर हस्ताक्षर हुए थे। इसमें बैंकों में 5-डे वर्किंग लागू करने पर सहमति बनी थी। प्रस्ताव के तहत कर्मचारियों को सोमवार से शुक्रवार तक प्रतिदिन 40 मिनट अतिरिक्त काम करना होगा। बैंक यूनियनों का कहना है कि दो साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद वित्त मंत्रालय की ओर से इस प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी नहीं दी गई है। इसी देरी के विरोध में बैंक कर्मचारी संगठनों ने आंदोलन तेज करने का फैसला किया है। फिलहाल बैंकों में महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश रहता है, जबकि अन्य शनिवार को शाखाएं खुलती हैं। 5-डे बैंकिंग व्यवस्था लागू होने के बाद हर शनिवार को बैंक बंद रहेंगे। इसके बदले सोमवार से शुक्रवार तक बैंक कर्मचारियों के कामकाज का समय प्रतिदिन 40 मिनट बढ़ाने का प्रस्ताव है। यानी सप्ताह में पांच दिन बैंक खुलेंगे, लेकिन प्रत्येक कार्यदिवस में कर्मचारियों को अतिरिक्त समय देना होगा।

भारत में 80 लाख से ज्यादा एचपीवी टीकाकरण हुए पूरे : स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने हेल्थ सेक्टर में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। देश में 80 लाख से ज्यादा एचपीवी टीकाकरण पूरे हो चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी जानकारी एक्स पर पोस्ट के जरिए दी है। मंत्रालय ने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, भारत ने 80 लाख एचपीवी टीकाकरण का आंकड़ा पार कर लिया है, जो प्रिवेंटिव हेल्थकेयर को मजबूत करने और एचपीवी संक्रमण और इससे जुड़े कैंसर से सुरक्षा को आगे बढ़ाने में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हर टीकाकरण के साथ, भारत अपनी बेटियों के लिए एक स्वस्थ, कैंसर-मुक्त भविष्य की ओर एक और कदम बढ़ा रहा है। एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीन एक सुरक्षित और बेहद असरदार टीका है। यह उन संक्रमणों को रोकता है जो सर्वाइकल कैंसर, एनल और गले के कैंसर के साथ-साथ जननांग में मस्से का कारण बनते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, यह वैक्सीन हाई-रिस्क एचपीवी स्ट्रेन से बचाती है, जो 90 प्रतिशत तक सर्वाइकल कैंसर के लिए जिम्मेदार होते हैं। यह लंबे समय तक सुरक्षा देती है और कैंसर से पहले होने वाले सेल बदलावों को रोकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, वैक्सीन सबसे ज्यादा असरदार 9 से 14 साल की उम्र के लिए यह सबसे अच्छी मानी जाती है। इस उम्र में आमतौर पर 2 डोज की जरूरत होती है। भारत के राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत सिंगल-डोज अप्रोच भी अपनाई जा रही है। वहीं, 15 से 26 साल और कुछ वयस्कों के लिए 45 साल तक के लोगों को कैच-अप के तौर पर 3 डोज दी जाती है, जो छह महीने के अंदर पूरी की जाती है।

13 सितंबर को सुबह 6 बजे से शुरू होंगी दिल्ली मेट्रो सेवाएं : डीएमआरसी

नई दिल्ली, एजेंसी। 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के कारण दिल्ली में ट्रैफिक पाबंदियों के बीच छात्रों और आम लोगों की सुविधा के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने बड़ा फैसला लिया है। मेट्रो सेवाएं रविवार 13 सितंबर को सुबह 6 बजे से शुरू हो जाएंगी।

डीएमआरसी ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए बताया, परीक्षा देने जा रहे छात्रों और आम जनता की सुचारू और समय पर आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के कारण ट्रैफिक पाबंदियों के बीच, रविवार 13 सितंबर को सभी लाइनों पर मेट्रो ट्रेन सेवाएं सुबह 06:00 बजे से शुरू होंगी। छात्रों और यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा की योजना उसी के अनुसार बनाएं। बता दें कि 18वां ब्रिक्स

शिखर सम्मेलन इस बार नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जा रहा है। इसे लेकर दिल्ली में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। कई प्रमुख स्थान अगले तीन दिन तक बंद रहेंगे, जिनमें राष्ट्रपति भवन म्यूजियम और अमृत उद्यान भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति भवन म्यूजियम और अमृत उद्यान को शुक्रवार से रविवार तक विजिटर्स के लिए बंद रखा गया है। एक अधिकारी ने बयान में कहा कि शनिवार को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में 'चेंज ऑफ गार्ड' सेरेमनी भी नहीं होगी। यह कदम ब्रिक्स प्रतिनिधियों को होने वाली परेशानी को कम करने और शिखर सम्मेलन स्थल के आसपास आम लोगों की आवाजाही पर रोक लगाकर सड़कों पर भीड़ कम करने की कोशिश का हिस्सा है। दिल्ली सरकार ने पहले ही 11 सितंबर को अपने कार्यालयों में छुट्टी की घोषणा कर दी है। कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने भी उस दिन केंद्र सरकार के कार्यालयों में छुट्टी की घोषणा करते हुए एक आधिकारिक सर्कुलर जारी किया है। शुक्रवार को दिल्ली पुलिस ने ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की। इसमें बताया गया कि शिखर सम्मेलन के चलते दिल्ली के मुख्य रास्तों पर दोपहर 2 बजे से रात 8.30 बजे तक ट्रैफिक को डायवर्ट किया जाएगा और आवाजाही को नियंत्रित किया जाएगा। पुलिस ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे अपनी यात्रा की योजना पहले से बना लें, यात्रा के लिए अतिरिक्त समय लेकर चलें, पब्लिक ट्रांसपोर्ट, खासकर मेट्रो का इस्तेमाल करें और तय डायवर्जन रूट व ट्रैफिक कर्मियों के निर्देशों का पालन करें।

बद्रीनाथ धाम में हादसा, तप्त कुंड में नहाते समय दो बुजुर्ग महिला श्रद्धालुओं की मौत

चमोली, एजेंसी। बद्रीनाथ धाम में शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। तप्त कुंड में स्नान के दौरान दो बुजुर्ग महिला यात्रियों की मौत हो गई। यह घटना सुबह करीब 5 बजे की है।

चमोली पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान 63 वर्षीय प्रेमा देवी और 71 वर्षीय रामू देवी के रूप में हुई है। दोनों महिलाएं राजस्थान की रहने वाली थीं।

बताया जा रहा है कि दोनों महिलाएं तप्त कुंड में स्नान कर रही थीं, तभी वे कुंड के अंदर बेहोश हो गईं। सूचना मिलने पर पुलिस और मंदिर प्रशासन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और दोनों को बचाने की कोशिश की, लेकिन अधिक उम्र होने के कारण उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

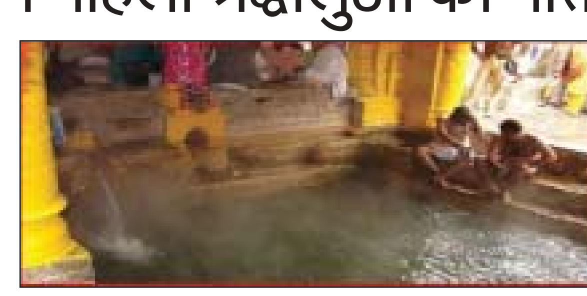

बद्रीनाथ धाम उत्तराखंड के चमोली जिले में अलकनंदा नदी के किनारे स्थित है। यह भगवान विष्णु को समर्पित एक बेहद पवित्र और प्रसिद्ध हिंदू तीर्थस्थल है। भौगोलिक रूप से यह धाम समुद्र तल से करीब 3,133 मीटर की ऊंचाई पर नर और नारायण पर्वत श्रेणियों के बीच स्थित है। यह भारत के चार धामों में से एक है। नर और नारायण पर्वत श्रेणियां उत्तराखंड के चमोली जिले में हिमालय क्षेत्र में स्थित दो प्रसिद्ध पर्वत शिखर हैं, जिनके बीच में पवित्र बद्रीनाथ धाम बसा हुआ है। मंदिर के पास ही प्राकृतिक गर्म पानी का कुंड है, जिसे तप्त कुंड कहा जाता है। मान्यता है कि मंदिर में दर्शन करने से पहले इस कुंड में स्नान करना पवित्र माना जाता है। हर साल लाखों श्रद्धालु यहां स्नान करते हैं।

'पैसे दो या बेटी भेजो...', रायबरेली में लेखपाल पर महिला ने लगाए गंभीर आरोप, एसडीएम जांच में पलट गई कहानी

कच्चा मकान गिरने पर महिला ने मांगी थी सरकारी सहायता और मुआवजा

आर्यावर्त संवाददाता

रायबरेली। उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले से एक बेहद शर्मनाक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिले के सरेनी ब्लॉक क्षेत्र अंतर्गत मलकेगांव में एक महिला ने राजस्व विभाग के लेखपाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का दावा है कि कच्चा मकान गिरने के बाद सरकारी मुआवजा दिलाने की रिपोर्ट लगाने के नाम पर लेखपाल ने उससे पैसों की मांग की और रुपये न देने पर उसकी बेटी को भेजने की कथित अनुचित मांग रखी। हालांकि, इस मामले में पीड़िता की शिकायत के बाद हुई प्रशासनिक जांच रिपोर्ट में इन सभी आरोपों को निराधार और झूठा करार दिया गया है। पीड़िता के अनुसार, कुछ दिनों से उसका कच्चा मकान गिरकर पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गया था। आर्थिक रूप से कमजोर पीड़िता को उम्मीद थी कि राजस्व विभाग से रिपोर्ट लगने के बाद उसे सरकार की ओर से राहत सहायता या मुआवजा मिल जाएगा। पीड़िता का आरोप है कि जब उसने क्षेत्रीय लेखपाल दिनेश सविता से संपर्क किया, तो रिपोर्ट लगाने के एवज में उससे पैसों की मांग की गई।

पीड़िता ने अपनी शिकायत में दावा किया कि उसकी आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण जब उसने रुपये देने में असमर्थता जताई, तो आरोपी लेखपाल ने कथित तौर पर उस पर दबाव बनाया और बेटी को भेजने की घिनौनी मांग रख दी।

पीड़िता के अनुसार, लेखपाल ने कहा कि अगर काम करवाना है, तो या तो पैसे देने होंगे या फिर बेटी को भेजना होगा। इस आघात से आहत होकर पीड़िता ने मामले की लिखित शिकायत उच्चाधिकारियों से की और आरोपी लेखपाल दिनेश सविता के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग उठाई।

शिकायत का संज्ञान लेते हुए संबंधित उपजिलाधिकारी (SDM) ने मामले की जांच कराई। हालांकि, जांच के बाद तैयार की गई रिपोर्ट में पीड़िता द्वारा लेखपाल पर लगाए गए सभी आरोपों की पुष्टि नहीं हो सकी और जांच आख्या में आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए झूठा बताया गया। एक तरफ पीड़िता के गंभीर आरोप हैं और दूसरी तरफ प्रशासनिक जांच में लेखपाल को मिली क्लीन चिट, जिसके बाद यह मामला पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब सवाल यह भी उठ रहे हैं कि यदि आरोप गलत थे तो शिकायत के पीछे की क्या वजह थी, और यदि आरोपों में सच्चाई थी तो जांच में पुष्टि क्यों नहीं हुई। मामले की अंतिम तस्वीर आगे की प्रशासनिक कार्रवाई से ही साफ हो सकेगी।

पितृ पूजन सुपुत्र का धर्म : महंथ बृज मोहन दास

आर्यावर्त संवाददाता

कुड़वार/सुल्तानपुर। पिता की प्रथम पुण्यतिथि पर सप्ताह भर से हो रहे पूजन कार्यक्रम के बाद शुक्रवार को पत्रकार के पिता की मूर्ति के अनावरण कार्यक्रम में पहुंचे दशरथ गद्दी पीठाधीश्वर अयोध्या धाम बृज मोहन दास ने कहा कि पितृ पूजन बेटे का प्रमुख धर्म है।उन्होंने पत्रकार द्वारा अपने पिता की मूर्ति स्थापना करवाने की सराहना की। बता दे कि स्थानीय थाना क्षेत्र के मझारी गांव निवासी इन्द्रसेन दूबे ने साल भर पहले दिवंगत हुए अपने पिता स्व कपिल कांत दूबे की मूर्ति स्थापना का कार्यक्रम आयोजित किया। विगत सप्ताह भर से विद्वानों द्वारा मूर्ति स्थापना संबंधी पूजन अर्चन पाठ कराया जा रहा था। शुक्रवार को विद्वानों द्वारा विधि विधान से हवन पूजन कराने के बाद दशरथ गद्दी पीठाधीश्वर अयोध्या धाम महंत बृज मोहन दास द्वारा इंद्रसेन द्विवेदी के पिता की मूर्ति का अनावरण किया। अनावरण के मौके पर महराज जी के साथ विशेषाचार्य जी महराज अयोध्या धाम,पूर्व ब्लॉक प्रमुख धनपतगंज यशभद्र सिंह मोनू,ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि योगेंद्र प्रताप सिंह उर्फ बब्लू सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। मूर्ति अनावरण के बाद महंत बृज मोहन दास ने कहा कि देवी देवताओं के पूजन की तरह ही पितृ पूजन भी आवश्यक है।जिस तरह हिन्दू धर्म में देवी देवताओं के लिए तिथियाँ निर्धारित है। उसी तरह पितरों के लिए भी साल भर में दो पक्ष निर्धारित है।इंद्रसेन द्वारा अपने पिता की मूर्ति स्थापना कराकर सुपुत्र होने का एक संदेश समाज को दिया है।इनके द्वारा किया गया कार्य बेहद सराहनीय है।कार्यक्रम में एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व प्रमुख वीर भद्र सिंह, दिवाकर दूबे सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए।

1.29 करोड़ की साइबर ठगी मामले में बड़ा एक्शन

हाईकोर्ट से जमानत खारिज होने के बाद अब ट्रायल की तैयारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। आइवीआरआइ के सेवानिवृत्त विज्ञानी शुकदेव नंदी के साथ हुई साइबर ठगी के मामले में पुलिस ने नौ आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट में पेश कर दी है। आरोपितों का ट्रायल शुरू होने की तैयारी है। सभी आरोपित जेल में बंद हैं और हाई कोर्ट की एकल पीठ ने उनकी जमानत अर्जी खारिज कर दी है। अब उन्होंने दोहरी पीठ में याचिका दायर की है।

साइबर ठगों ने शुकदेव नंदी को पिछले वर्ष 17 से 20 जून के बीच उनके घर में ही डिजिटल अरेस्ट कर लिया था। ठगों ने खुद को बेंग्लुरु पुलिस और सीबीआई अधिकारी बताकर उन्हें धमकाया। उन्होंने कहा कि उनके आधार कार्ड से एक सिम खरीदी गई है, जिसका उपयोग ह्यूमन ट्रैफिकिंग और जब फ्रड में किया जा रहा है। इस डर के कारण नंदी ने 1.29 करोड़ रुपये उनके खाते में ट्रांसफर करवा दिए।

जब नंदी को ठगी का अहसास हुआ, तो उन्होंने साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने जांच शुरू की और पाया कि सबसे पहले 1.10 करोड़ रुपये लखनऊ के श्री नारायणी इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए थे।

जांच में स्पष्ट हुआ कि नारायणी इंफ्रा से कुल 125 खातों में पैसे भेजे गए थे। सभी खातों को फ्रीज कर दिया गया। पुलिस ने मुख्य आरोपित प्रदीप कुमार, सुधीर कुमार चौरसिया, महेंद्र प्रताप सिंह, रजनीश द्विवेदी, श्माम कपूर, शुभम यादव, दीपू पांडेय, महफूज और अमान खां को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दिसंबर में पुलिस ने इन सभी आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की और अब ट्रायल की प्रक्रिया चल रही है। साइबर थाना इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय ने बताया कि आरोपितों को अभी तक जमानत नहीं मिली है।

कुड़वार में बदहाल सड़कों ने बढ़ाई मुसीबत, गड्ढों में तब्दील हुए कई मार्ग

कुड़वार/सुलतानपुर। क्षेत्र की बदहाल सड़कों की तस्वीरें खुद व्यवस्था की हकीकत बयां कर रही हैं। बरसात के बाद कई प्रमुख मार्ग गड्ढों में तब्दील हो गए हैं, जबकि सड़क किनारे उगी झाड़ियां राहगीरों के लिए अलग मुसीबत बनी हुई हैं। स्कूली बच्चों से लेकर बुजुर्गों और दोपहिया-चारपहिया वाहन चालकों को रोजाना जोखिम उठाकर आवागमन करना पड़ रहा है।

बिजली उपकेंद्र से मंगापुर मार्ग पर बचनपुर के पास सड़क धंस गई है। शिकायत के बाद विभाग ने दो बार मिट्टी डालकर खानापूर्ति तो कर दी, लेकिन कुछ ही समय में सड़क फिर बदहाल हो गई। इस मार्ग पर दो परिषदीय विद्यालय भी हैं, जिससे बच्चों की आवाजाही के दौरान दुर्घटना का खतरा बना रहता है। इसी तरह बीपी इंटर कॉलेज चौराहे से खादर बसंतपुर जाने वाला मार्ग भी लंबे समय से जर्जर है।

गंगा-यमुना के जलस्तर में उतार-चढ़ाव जारी, प्रयागराज में हालात कुछ सामान्य, बाढ़ का संकट अभी टला नहीं

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। जनपद में अभी भी गंगा-यमुना में बाढ़ की संभावित आशंका से नदी तटीय इलाकों के मुहल्लों और गांवों में दहशत का माहौल है। दोनों नदियों के जलस्तर में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। कभी जलस्तर बढ़ने लगता है तो कभी घट जाता है। गुरुवार की सुबह तक जलस्तर बढ़ रहा था। इसके बाद यमुना में पानी घटने लगा। फाफामऊ में यमुना घटी हैं, जबकि छतनाग में मामूली बढ़ोतरी हुई। शहर के राजापुर सहित मेजा और करछना के कई गांव कई दिनों तक गंगा-यमुना व टोंस आदि नदियों का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ की चपेट में थे। अब जाकर यहां हालात कुछ सामान्य हुए है, लेकिन संकट अभी टला नहीं है। गंगा-यमुना में जलस्तर कभी घटता है तो कभी बढ़ जाता है। बुधवार की रात तक गंगा और यमुना दोनों में पानी बढ़ रहा था। रात आठ बजे तक यमुना 81.60 मीटर पर आ गई थी। फाफामऊ में गंगा 81.79 और छतनाग में 81.10 मीटर पर बह रही थी। शुक्रवार की रात आठ बजे यमुना का जलस्तर 81.55 पर आ गया। वहीं गंगा का जलस्तर फाफामऊ में 81.95 तो छतनाग में 81.10 मीटर पर बह रहीं हैं। यही नहीं गुरुवार को पूरे दिन जलस्तर में उतार-चढ़ाव चलता रहा।

बाढ़ का पानी दोबारा बढ़ने से झूंसी-गारापुर मार्ग बदरा गांव के पास पुलिया फिर डूब गई। इसी पानी से लोगों का आवागमन हो रहा है। मंगलवार की सुबह ही पुलिया से पानी हटा था और आवागमन सामान्य हुआ था। एक बार फिर यह समस्या खड़ी हो गई है। बदरा, सोनौटी, ढोलबजवा, इब्राहिमपुर, बहादुरपुर कछार सहित कई गांवों के लोगों दिक्कत झेलनी पड़ रही है।

बहन की शादी से 26 दिन पहले उठी भाई की अर्थी, घर में छाया मातम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के मदनपुर पनियार गांव में सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां मातम में बदल दीं। मर्चेंट नेवी में कार्यरत आवेश उर्फ फूल की सड़क हादसे में मौत हो गई। सबसे दर्दनाक बात यह है कि उसकी छोटी बहन गुलअफशा की शादी महज 26 दिन बाद छह अक्टूबर को होनी थी। बहन की शादी के लिए घर की मरम्मत और तैयारियों में जुटा आवेश अब इस दुनिया में नहीं है। आवेश पिछले महीने लाओस से लौटा था और करीब एक सप्ताह पहले ही छुट्टी लेकर घर आया था। इससे पहले वह ईरान से भी लौट चुका था। बताया जा रहा है कि उसे इसी सप्ताह दोबारा ड्यूटी पर जाना था। बहन की शादी से दो दिन पहले फिर घर लौटने की उसकी योजना थी, लेकिन उससे पहले ही हादसे ने उसकी जिंदगी छीन ली। गुरुवार रात करीब नौ बजे आवेश अपने दोस्त नदीम अहमद के साथ बाइक से रहायकपुर मोड़ के पास सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान लखनऊ की ओर से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल दोनों को सीएचसी लंभुआ पहुंचाया। आवेश के सिर में गंभीर चोट लगी थी। हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर रेफर कर दिया। हालत में सुधार नहीं होने पर उसे लखनऊ ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, लेकिन वहां बेड उपलब्ध नहीं हो सका। परिजन उसे दूसरे अस्पताल ले जा रहे थे, तभी रास्ते में आवेश ने दम तोड़ दिया। आवेश चार भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर था। बड़ी बहन की शादी हो चुकी है, जबकि छोटी बहन गुलअफशा की शादी छह अक्टूबर को तय थी। बहन की शादी को लेकर घर में तैयारियां चल रही थीं। आवेश खुद घर की मरम्मत करवा रहा था और गुरुवार को प्लंबर नदीम के साथ घर में बन रहे शौचालय का सामान लेने बाजार गया था।

फसल सर्वे के नाम पर अवैध वसूली से भड़के महोबा के किसान, सर्वेयरों को चूड़ी-पेटीकोट और जूतों की माला पहना गांव में घुमाया

आर्यावर्त संवाददाता

महोबा। फसल सर्वे के नाम पर अवैध वसूली से गुस्साए किसानों ने दो सर्वेयरों को चूड़ी-पेटीकोट के साथ ही जूतों की माला पहनाई। माथे पर बिंदी लगाकर उन्हें पूरे गांव में घुमाया। आरोप है कि इनके द्वारा किसानों से बीमा की राशि दिलाने के नाम पर एक से दो हजार रुपये तक की वसूली की जा रही थी। दोनों पुलिस हिरासत में हैं। उपनिदेशक कृषि रामसजीवन ने बताया कि जांच की जा रही है। आरोप सही पाए जाने पर मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

जिले में पिछले दिनों हुई बारिश के चलते उड़द, तिल व मूंग की फसलें बर्बाद हो गई हैं। किसानों ने 90 प्रतिशत फसल नुकसान का दावा किया है। बीमा कंपनी द्वारा सर्वे कराया जा रहा है। तहसील चरखारी क्षेत्र के ग्राम नटर्रा में बीमा कंपनी इफको टोक्यो से जुड़ी निजी एजेंसी ग्लोबल अर्क के दो सर्वेयर गांव में पहुंचे। दोनों मप्र के छतरपुर के रहने वाले बताए गए हैं। किसान मनोज व सुरेश आदि का आरोप है कि दोनों पिछले एक सप्ताह से गांव में जाकर फसल नुकसान का ज्यादा सर्वे दर्ज करने और ज्यादा बीमा राशि दिलाने का लालच दे रहे थे। इसके बदले वे किसानों से ए हजार से दो हजार रुपए तक की मांग कर रहे थे। कई किसानों से पैसा भी ले लिया। मांग पूरी न होने पर बीमा राशि न मिलने की धमकी दे रहे थे। गुरुवार की देर शाम ग्रामीणों और ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रविंद्र राजपूत ने दोनों सर्वेयरों को पकड़ लिया। उन्होंने किसानों से पैसे लेने की बात स्वीकार की। चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत को सूचना दी गई। विधायक के निर्देश पर उनके प्रतिनिधि सूरज पांडे समर्थकों के साथ गांव पहुंचे। महिलाओं ने उन्हें चूड़ी, पेटीकोट और ब्लाउज पहनाया। इसके बाद लाली-बिंदी लगाकर गले में जूतों की माला डाली और दोनों को पूरे गांव में घुमाया। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को हिरासत में लिया। उपनिदेशक कृषि रामसजीवन ने बताया कि उच्चाधिकारियों को इसकी सूचना दी गई है। जांच की जा रही है। इसके बाद तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

संक्षेप

करंट की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

सुलतानपुर। घर के अंदर बिजली के करंट की चपेट में आकर अधेड़ बुरी तरह झुलस गया।गम्भीर हालत में इलाज के लिए स्थानीय सीएचसी ले जाया गया।जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।जहां इलाज के दौरान अधेड़ की मौत हो गई। शुक्रवार को कूरेभार थाना क्षेत्र के सरैया मझौवा गांव के पूरे डीगर, पांडे का पुरवा में करंट की चपेट में आने से अरुण पांडेय(50)पुत्र शिव शंकर पांडेय गंभीर रूप से झुलस गए। परिजन आनन-फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कूरेभार लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।चिकित्सक की सूचना पर पहुंची नगर कोतवाली पुलिस ने शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

लूट के आरोपी को मिली अंतरिम जमानत

सुलतानपुर। जयसिंहपुर थाना क्षेत्र के कान्हापुर गांव में मारपीट कर मंगलसूत्र ले जाने के आरोप में दर्ज मुकदमे के आरोपी दुर्गेश दूबे उर्फ मोनू को अदालत से अंतरिम जमानत मिल गई। मामले में आरोपी की नियमित जमानत पर सुनवाई के लिए 19 सितंबर की तारीख निर्धारित की गई है। कान्हापुर निवासी सरोजा यादव ने पुलिस को तहरीर देकर दुर्गेश दूबे उर्फ मोनू पर फोन पर गाली-गलौज करने तथा मारपीट कर मंगलसूत्र ले जाने का आरोप लगाया था। तहरीर के आधार पर जयसिंहपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। आरोपी की ओर से अधिवक्ता सवितोष पाण्डेय ने जनपद न्यायाधीश के समक्ष जमानत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करते हुए आरोपों को निराधार बताया। बचाव पक्ष ने मामले को राजनीतिक रंजिश और पारिवारिक विवाद से जुड़ा बताते हुए घटना की तिथि व समय स्पष्ट न होने का भी तर्क दिया। अधिवक्ता के तर्क सुनने के बाद न्यायालय ने आरोपी को अंतरिम जमानत प्रदान कर दी तथा नियमित जमानत पर सुनवाई के लिए 19 सितंबर की तारीख तय की।

नहर में मिली मां और नवजात की लाश मामले में पति के खिलाफ मुकदमा

बल्दीराय/सुल्तानपुर। बीते बुधवार को नरसिंहपुर के पास शारदा नहर खंड-16 में महिला और उसके नवजात शिशु के शव मिलने के मामले में नया मोड़ सामने आया है। मृतका मनीषा के पिता जगजीवन पासी पुत्र राम प्रताप निवासी बीही निंदुरा की तहरीर पर पुलिस ने मृतका के पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मनीषा और उसके नवजात शिशु का शव बीते बुधवार को शारदा नहर खंड-16 में नरसिंहपुर के पास बरामद हुआ था। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की थी। घटना के बाद से ही मामले को लेकर तरह-तरह के सवाल उठ रहे थे। अब मृतका के पिता की तहरीर पर अखिलेश कुमार पुत्र देवराज निवासी बीही निंदुरा के विरुद्ध मु0अ0सं0 193/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 85, 80(2), 238, 351(3) तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 में मुकदमा दर्ज किया गया है। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

बहला फुसलाकर किशोरी को भगा ले जाना वाला आरोपी गिरफ्तार

कुड़वार/सुल्तानपुर। मार्च महीने में किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया साथ ही किशोरी को भी बरामद कर लिया। मामला स्थानीय थाना क्षेत्र के एक गांव से जुड़ा है।गांव निवासी पिता ने 17 वर्षीय बेटी को 10 मार्च को भगा ले जाने का आरोप लगाते हुए धर्मेंद्र निवासी सत्थिन कटावा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।पुलिस ने विवेचना के दौरान पुलिस ने मुकदमे में पुलिस ने पास्को सहित अन्य धाराओं की बढ़ोत्तरी की थी।शुक्रवार को स्थानीय पुलिस ने मुकदमे में वांछित धर्मेंद्र कोरी पुत्र श्याम लाल कोरी को उतरदहा मार्ग से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी टीम ने उपनिरीक्षक रणजीत सिंह,आरक्षी सुधीर राजपूत शामिल रहे।प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। साथ ही बरामद किशोरी को विधिक प्रक्रिया के बाद परिजनो को सौप दिया जाएगा।

जंग में शहीद हो गए थे पिता... रूस की नीना ने मोक्ष के लिए काशी में कराया नारायण बलि और त्रिपिंडी श्राद्ध

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। सनातन धर्म की परंपराओं और काशी की आध्यात्मिक मान्यताओं से प्रभावित होकर रूस की निवासी नीना ने अपने पिता एंड्रे तथा रूस-यूक्रेन युद्ध में मृत आत्माओं की शांति और मोक्ष की कामना से काशी के पिशाचमोचन तीर्थ में नारायण बलि और त्रिपिंडी श्राद्ध कराया। रूस में रहते हुए नीना अपनी मित्र ईन्गा के साथ पूरे अनुष्ठान में ऑनलाइन जुड़ी रहीं।

उनके प्रतिनिधि के रूप में नीलकान्त दुबे ने काशी में उपस्थित होकर समस्त धार्मिक विधान का निर्वहन किया। यह अनुष्ठान वाग्योग चेतनापीठम् के अध्यक्ष एवं सचिव तथा पद्मश्री वागीश शास्त्री के पुत्र पं। आशापति शास्त्री के निर्देशन में संपन्न हुआ। गुरुवार सुबह 11 बजे शुरू हुआ धार्मिक अनुष्ठान शाम पांच बजे तक चला। पिशाचमोचन तीर्थ में विधि-विधान से संपन्न इस अनुष्ठान में पहले नारायण बलि और उसके बाद त्रिपिंडी श्राद्ध का कर्म कराया गया।

प्रथम चरण में नारायण बलि का कर्म

अनुष्ठान के प्रथम चरण में नारायण बलि का कर्म कराया गया। पंडित संजय कुमार उपाध्याय के आचार्यत्व में आचार्य संदीप मिश्र, आचार्य विकास पाण्डेय, नीलकान्त दुबे एवं आयुष द्विवेदी ने पंडित आशापति शास्त्री के निर्देशन में विधि-विधान पूरा कराया। इसके बाद दूसरे चरण में त्रिपिंडी श्राद्ध का कर्म संपन्न हुआ। इस चरण में भी पंडित संजय कुमार उपाध्याय के आचार्यत्व में आचार्य संदीप मिश्र, आचार्य विकास पाण्डेय और नीलकान्त दुबे ने पंडित आशापति शास्त्री के निर्देशन में समस्त धार्मिक प्रक्रिया पूरी कराई।

पंडित आशापति शास्त्री ने क्या बताया?

रूस में मौजूद नीना और उनकी मित्र ईन्गा ऑनलाइन माध्यम से अनुष्ठान से जुड़ी रहीं और धार्मिक प्रक्रिया को देखा तथा उसमें अपनी सहभागिता दर्ज कराई। पंडितआशापति शास्त्री ने बताया कि नीना ने पिछले माह अपनी रूसी शिष्या ईन्गा के माध्यम से उनसे संपर्क किया था। नीना अपने पिता एंड्रे की आत्मा की शांति के साथ ही रूस-यूक्रेन युद्ध में मारे गए लोगों की आत्माओं की शांति और मुक्ति के लिए सनातन परंपरा के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान कराना चाहती थीं। उनकी इसी इच्छा के अनुरूप अमावस्या के अवसर पर काशी के पिशाचमोचन तीर्थ में नारायण बलि और त्रिपिंडी श्राद्ध का आयोजन कराया गया। उन्होंने बताया कि काशी में पिशाचमोचन तीर्थ का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। यहां पितरों की शांति और मोक्ष की कामना से विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं। इसी आस्था के तहत रूस में रहते हुए नीना ने ऑनलाइन माध्यम से काशी के विद्वानों के निर्देशन में यह अनुष्ठान कराया। पंडितआशापति शास्त्री ने बताया कि वाग्योग चेतनापीठम् की स्थापना महामहोपाध्याय भागीरथ प्रसाद त्रिपाठी वागीश शास्त्री ने करीब 46 वर्ष पूर्व की थी। संस्था के माध्यम से विश्व के 80 से अधिक देशों में सनातन परंपरा, भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का प्रसार किया जा रहा है। संस्था से 50 हजार से अधिक अनुयायी जुड़े होने का दावा किया गया।

यह अनुष्ठान है किस बात का उदाहरण?

रूस की निवासी नीना द्वारा काशी में ऑनलाइन माध्यम से कराया गया यह अनुष्ठान इस बात का उदाहरण है कि काशी की आध्यात्मिक परंपराओं और सनातन संस्कारों के प्रति विदेशों में भी लोगों की आस्था और जिज्ञासा बनी हुई है। भौगोलिक दूरी के बावजूद ऑनलाइन माध्यम से काशी के धार्मिक अनुष्ठान से जुड़कर नीना ने अपने पिता सहित युद्ध में मृत लोगों की आत्माओं की शांति और मोक्ष की कामना की।

पर्वों से पहले सड़कों को गड्ढामुक्त कर आवागमन योग्य बनाएं: योगी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बारिश और बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की तत्काल मरम्मत कर उन्हें आवागमन योग्य बनाने तथा बरसात समाप्त होने के बाद आवश्यकता के अनुसार उनका नवीनीकरण कराने के निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश अभी जारी है, इसलिए सड़कों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए और बारिश से नए क्षतिग्रस्त मार्गों का भी तत्काल सर्वे कराया जाए।मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी पर्व-त्योहारों में बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होगा। ऐसे में प्रमुख मार्गों पर आवागमन में किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने पर्वों से पहले आवश्यक मरम्मत और नवीनीकरण के कार्य हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि गड्ढामुक्ति का अभियान केवल पैचवर्क तक सीमित नहीं रहना चाहिए। जहां सड़क तत्काल खराब स्थिति में है, वहां उसे अभी आवागमन योग्य बनाया जाए और बरसात समाप्त होने के बाद आवश्यकता के अनुसार स्थायी नवीनीकरण कराया जाए।बैठक में बताया गया कि अतिवृष्टि के अलावा एक्सप्रेस-वे, राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे सहित विभिन्न निर्माणाधीन परियोजनाओं के कारण भारी वाहनों की आवाजाही से भी कई सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। इन मार्गों का विभागवार सर्वे कराया जा रहा है। सर्वे के आधार पर क्षतिग्रस्त सड़कों को चिन्हित कर गड्ढामुक्ति के लिए विभागवार लक्ष्य निर्धारित किए जाएंगे।आगामी पर्वों को देखते हुए प्रदेश में 681 महत्वपूर्ण मार्ग चिन्हित किए गए हैं। इनमें गणेश चतुर्थी, विश्वकर्मा पूजा, नवरात्रि, दीपावली, छठ पूजा और कार्तिक पूर्णिमा जैसे प्रमुख पर्वों के दौरान अधिक आवागमन वाले मार्ग शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने इन मार्गों को प्राथमिकता के आधार पर बेहतर स्थिति में रखने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अधिकारियों से भी उनकी कार्ययोजना की जानकारी ली। इसके साथ ही मंडी परिषद, पंचायती राज, सिंचाई, ग्राम्य विकास, नगर विकास, आवास एवं शहरी नियोजन तथा अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग की कार्ययोजनाओं की भी समीक्षा की गई। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर अभियान को तेजी से आगे बढ़ाने पर जोर दिया।विभाग के प्रस्तुतिकरण में बताया गया कि गड्ढामुक्ति अभियान में नौ विभागों के मार्ग शामिल हैं। इन विभागों के अधीन करीब 4.36 लाख किलोमीटर सड़कें हैं। वर्तमान लक्ष्य के तहत करीब 50 हजार किलोमीटर मार्गों को गड्ढामुक्त किया जाना है, जिसमें अब तक करीब 5,751 किलोमीटर मार्गों पर काम पूरा किया जा चुका है। क्षतिग्रस्त मार्गों के सर्वे के बाद विभागवार लक्ष्य को अंतिम रूप दिया जाएगा। नवीनीकरण और विशेष मरम्मत के कार्यों की भी समीक्षा की गई। विभाग के अनुसार नवीनीकरण के लिए करीब 30 हजार किलोमीटर और विशेष मरम्मत के लिए करीब पांच हजार किलोमीटर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अब तक नवीनीकरण के तहत करीब 14 हजार किलोमीटर और विशेष मरम्मत के तहत करीब 700 किलोमीटर मार्गों पर कार्य पूरा किए जाने की जानकारी दी गई।मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़कें आम आदमी के रोजमर्रा के जीवन से सीधे जुड़ी हैं। शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, मुख्य बाजारों, सरकारी कार्यालयों और ऐसे अन्य स्थानों, जहां आमजन का आवागमन अधिक रहता है, वहां की सड़कों को प्राथमिकता पर लिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन मार्गों पर तत्काल काम शुरू कराया जाए और जहां मरम्मत की आवश्यकता है, वहां बिना देरी सड़क को आवागमन योग्य बनाया जाए। उन्होंने कहा कि कार्य में तेजी के साथ गुणवत्ता का भी पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए।बैठक में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर, राज्य मंत्री लोक निर्माण विभाग ब्रजेश सिंह, राज्य मंत्री औद्योगिक विकास विभाग जसवंत सिंह सैनी, राज्य मंत्री जल शक्ति रामकेश निषाद तथा राज्य मंत्री ग्राम्य विकास विजय लक्ष्मी गौतम उपस्थित रहे।

बारिश से नुकसान हुआ तो घबराएं नहीं! मुख्यमंत्री योगी का सख्त आदेश, 24 घंटे में मिलेगा मुआवजा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में हो रही अतिवृष्टि को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को राहत और बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने बारिश से होने वाली जनहानि, पशुहानि और आर्थिक नुकसान का संज्ञान लेते हुए सभी वरिष्ठ अधिकारियों को फील्ड में उतरकर स्थिति का जायजा लेने को कहा है। उन्होंने प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद उपलब्ध कराने और जलभराव के कारण आम लोगों को किसी तरह की परेशानी न होने देने के निर्देश दिए। बता दें कि इसे पहले योगी ने महिलाओं को त्योहार के पहले बंपर गिफ्ट देते हुए एक-एक लाख रुपये देना का ऐलान किया था। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा है कि अतिवृष्टि और आकाशीय बिजली से हुई जनहानि, पशुहानि और आर्थिक नुकसान का तत्काल आकलन कराया जाए। नुकसान का आकलन पूरा होने के बाद प्रभावित लोगों को 24 घंटे के भीतर मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित परिवारों के लगातार संपर्क में रहने और उनसे संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जरूरतमंद परिवारों तक हर संभव सहायता समय पर पहुंचनी चाहिए। सीएम योगी ने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि बारिश के कारण कहीं भी लंबे समय तक जलभराव की स्थिति न रहे और इससे आम लोगों को परेशानी न हो।

विकसित भारत-जी राम जी योजना में मानव दिवस बढ़ाने के लिए अभियान चलाएं : केशव प्रसाद मौर्य

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विकसित भारत-जी राम जी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी जनपदों में अभियान चलाकर मानव दिवस सृजन में वृद्धि के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने योजना के अंतर्गत कार्य करने वाले श्रमिकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर भुगतान सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत-जी राम जी योजना के अंतर्गत 318 प्रकार के कार्य निर्धारित किए गए हैं, जिनमें आजीविका से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य भी शामिल हैं। ऐसे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए, ताकि योजना अपने उद्देश्यों को पूरा करते हुए विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश, विकसित जनपद और विकसित ग्राम पंचायत के संकल्प को साकार करने में प्रभावी भूमिका निभा सके। उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों को योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत प्रदेश को 6.18 लाख आवासों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। सभी जनपदों में इन आवासों को समयबद्ध ढंग से स्वीकृत करते हुए निर्माण कार्य पूर्ण कराया जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत बेसहारा पात्र महिलाओं, दिव्यांगजनों तथा अन्य प्राथमिकता श्रेणी के पात्र परिवारों, जिन्हें अभी तक योजना का लाभ नहीं मिला है, उन्हें विशेष अभियान चलाकर चिन्हित करने और पात्रता के अनुसार आवास योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि ग्राम चौपालों में योजनाओं की पात्रता और अन्य शर्तों की विस्तार से जानकारी दी जाए। इसके साथ ही पात्र व्यक्तियों को चिन्हित कर उन्हें आवास उपलब्ध कराने की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उप मुख्यमंत्री ने विकसित भारत-जी राम जी योजना में कार्यरत महिला श्रमिकों तथा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण और मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लाभार्थियों को अनिवार्य रूप से स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने के निर्देश दिए, ताकि उन्हें आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराकर आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन स्वयं सहायता समूहों को अभी तक सीसीएल अथवा बैंक ऋण की सुविधा नहीं मिली है, ऐसे सभी पात्र समूहों को शत-प्रतिशत सीसीएल उपलब्ध कराया जाए। सभी खंड विकास अधिकारी इसकी नियमित निगरानी करें। उन्होंने प्रदेश में नए स्वयं सहायता समूहों के गठन के कार्य में भी तेजी लाने के निर्देश दिए। समूह सखियों के मानदेय में वृद्धि के लिए अन्य राज्यों में लागू बेहतर मॉडलों का अध्ययन कर आवश्यक

केबल चोरी करने वाले तीन शातिर गिरफ्तार, दो बंडल केबल और ऑटो बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मोहनलालगंज पुलिस ने केबल चोरी की घटना का खुलासा करते हुए तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से काले रंग के दो बंडल केबल और चोरी में प्रयुक्त एक ऑटो बरामद किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान मुकेश, अंकित वर्मा और गौरव श्रीवास्तव के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार तीनों आपस में मित्र हैं और नशे के आदी हैं। नशे की लत पूरी करने के लिए वे चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे।पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट लखनऊ तरुण गाबा और संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय अपर्णा कुमार के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी मोहम्मद मुश्ताक के पर्यवेक्षण, अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी रल्लापल्ली वसंथ कुमार तथा सहायक पुलिस आयुक्त मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन और प्रभारी निरीक्षक मोहनलालगंज राम बाबू सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की।पुलिस के मुताबिक 10 सितंबर 2026 को रायबरेली-लखनऊ मार्ग स्थित हरि रेस्टोरेंट के पास से करीब 50.60 मीटर केबल काटकर चोरी कर ली गई थी। मामले में सीतापुर निवासी सत्य प्रकाश ने थाना मोहनलालगंज में प्रार्थना पत्र दिया था। इसके आधार पर मुकदमा संख्या 340/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत दर्ज किया गया। अभियुक्तों की गिरफ्तारी और चोरी की केबल की बरामदगी के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी ने दो पुलिस टीमों का गठन किया था।गठित टीमों ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, तकनीकी एवं मैनुअल साक्ष्यों और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से अभियुक्तों की पहचान की। इसके बाद मुकेश पुत्र भीखा निवासी चमयानी सिंहपुर, थाना पुरवा, जनपद उन्नाव, उम्र करीब 36 वर्ष, अंकित वर्मा पुत्र स्वर्गीय माताप्रसाद निवासी स्नेहलनगर, थाना कृष्णानगर, लखनऊ, उम्र करीब 24 वर्ष तथा गौरव श्रीवास्तव पुत्र स्वर्गीय सोनू श्रीवास्तव निवासी चिल्लावा, थाना सरोजनीनगर, लखनऊ, मूल निवासी मुंशीखेड़ा, ट्रांसपोर्ट नगर, चन्दन नगर, थाना सरोजनीनगर, लखनऊ, उम्र करीब 22 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में अभियुक्तों ने पुलिस को बताया कि वे सभी आपस में मित्र हैं और नशे के आदी हैं। नशे की लत पूरी करने के लिए मिलकर चोरी करते थे। उन्हें जहां भी कोई कीमती सामान दिखाई देता था, मौका पाकर चोरी कर लेते थे। चोरी का सामान अंकित के ऑटो में रखकर ले जाते और उसे बेचने से मिले रुपये आपस में बांट लेते थे। अभियुक्तों ने बताया कि 8 और 9 सितंबर की मध्यरात्रि में उन्होंने हरि रेस्टोरेंट के पास रायबरेली-लखनऊ मार्ग से भूमिगत केबल चोरी की थी और चोरी की गई केबल को कुछ दूरी पर झाड़ियों में छिपा दिया था। वे केबल को बेचने के लिए ले जाने की तैयारी कर रहे थे, तभी पुलिस टीम ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त मुकेश के विरुद्ध कुल तीन मुकदमे दर्ज हैं। इनमें थाना मोहनलालगंज में मुकदमा संख्या 340/2026 धारा 303(2)/317(2) बीएनएस तथा थाना कृष्णानगर में वर्ष 2021 के दो मुकदमे धारा 380/411/457 और 380/411 भारतीय दंड संहिता के तहत दर्ज हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी गांव-गांव पहुंचाएंगे पीआरवी वाहन, 19 लाख एसएमएस से भी जागरूकता

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। आगामी 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर आमजन को जागरूक करने और अधिक से अधिक सुलहनीय मामलों का आपसी सहमति एवं सुलह-समझौते के आधार पर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ और पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने संयुक्त रूप से विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया है। इसी क्रम में जनपद न्यायालय लखनऊ परिसर से डायल-112 के पीआरवी वाहनों को राष्ट्रीय लोक अदालत और मध्यस्थता-3.0 के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष मलखान सिंह तथा राष्ट्रीय लोक अदालत की नोडल अधिकारी और पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की अधिकारी किरण यादव ने वाहनों को रवाना किया।इस पहल का उद्देश्य राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी को केवल शहर तक सीमित रखने के बजाय लखनऊ के ग्रामीण, दूरस्थ और सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक पहुंचाना है, ताकि जानकारी के अभाव में कोई पात्र व्यक्ति लोक अदालत के लाभ से वंचित न रहे। पीआरवी वाहनों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता संदेश प्रसारित किए जाएंगे और लोगों को अपने लंबित एवं सुलहनीय मामलों का आपसी सहमति से सरल, शीघ्र और सौहार्दपूर्ण समाधान कराने के लिए प्रेरित किया जाएगा।राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए लखनऊ के नागरिकों को मोटर वाहन अधिनियम के चालानों से संबंधित करीब 19 लाख एसएमएस भी भेजे गए हैं। इन संदेशों के माध्यम से वाहन स्वामियों और आम नागरिकों को 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने सुलहनीय चालानी मामलों के निस्तारण का लाभ उठाने के लिए जागरूक किया गया है। इस पहल के जरिए बड़ी संख्या में लोगों तक सीधे लोक अदालत से संबंधित जानकारी पहुंचाई जा रही है।राष्ट्रीय लोक अदालत में दीवानी वाद, वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण से संबंधित मामले, बैंक एवं वित्तीय विवाद, उपभोक्ता विवाद, राजस्व वाद, चालानी वाद सहित विभिन्न सुलहनीय मामलों का आपसी सहमति और समझौते के आधार पर निस्तारण कराया जा सकता है। इसके माध्यम से पक्षकारों को लंबे समय तक चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिलने के साथ विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

मारपीट कर जबरन वसूली करने वाले दो गिरफ्तार, दो मोबाइल और बाइक बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। काकोरी पुलिस और पश्चिमी जोन की सर्विलांस टीम ने मारपीट कर जबरन वसूली करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से दो स्मार्ट फोन और घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान जीशान और सहवान उर्फ शाबान के रूप में हुई है। दोनों को 10 सितंबर की रात बबुरियाखेड़ा अंडरपास होकर खुशहालगंज की तरफ जाने वाली सर्विस रोड के तिराहे से गिरफ्तार किया गया।पुलिस के अनुसार 25 जुलाई 2026 को मुदित यादव निवासी निजामपुर मल्लोर, गोमतीनगर, लखनऊ ने थाना काकोरी में शिकायत दर्ज कराई थी कि अभियुक्तों ने उसके साथ मारपीट कर जबरन क्यूआर कोड के माध्यम से 14 हजार रुपये अपने खाते में स्थानांतरित करा लिए और दो मोबाइल फोन भी ले लिए। शिकायत के आधार पर थाना काकोरी में मुकदमा संख्या 242/2026 धारा 308(5)/115(2) बीएनएस के तहत जीशान और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।घटना के खुलासे के लिए काकोरी पुलिस और पश्चिमी जोन की सर्विलांस टीम का गठन किया गया। संयुक्त टीम ने क्यूआर कोड के माध्यम से भुगतान से संबंधित जानकारी जुटाई और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्तों की लोकेशन ट्रेस की। इसके बाद पुलिस ने जीशान पुत्र अनीस, मूल निवासी कल्याणपुर, थाना संडीला, जनपद हरदोई, हाल निवासी खुशहालगंज, थाना पारा, लखनऊ, उम्र करीब 23 वर्ष तथा सहवान उर्फ शाबान पुत्र नवी हुसैन, मूल निवासी ग्राम अटौरा, थाना आसीवन, जनपद उन्नाव, हाल निवासी काकोरी मोड़, थाना पारा, लखनऊ, उम्र करीब 21 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया।

संक्षेप

लखनऊ समेत देशभर में एक दिवसीय बैंक हड़ताल, बैंक कर्मियों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर शुक्रवार को लखनऊ समेत देशभर में बैंक कर्मियों ने एक दिवसीय हड़ताल शुरू कर दी। हड़ताल के चलते भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, इंडियन बैंक समेत प्रमुख बैंकों की शाखाओं में सामान्य बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहीं। लखनऊ के हजरतगंज स्थित इंडियन बैंक के बाहर बैंक कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर विरोध जताया।बैंक कर्मी पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने समेत कई अन्य मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। हड़ताल के कारण आज बैंक शाखाओं में नियमित कामकाज नहीं होगा। हालांकि डिजिटल बैंकिंग, यूपीआई और एटीएम जैसी कुछ सेवाएं जारी रहने की संभावना है।बैंक कर्मचारी संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो 28 से 30 सितंबर तक तीन दिवसीय हड़ताल की जाएगी। इसके बाद भी मांगें पूरी नहीं होने पर 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने की चेतावनी दी गई है। बैंक कर्मियों का कहना है कि उनकी लंबित मांगों पर सरकार और संबंधित पक्षों को गंभीरता से विचार करते हुए शीघ्र समाधान निकालना चाहिए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 149 शिकायतें दर्ज, महापौर ने समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ मुख्यालय, लालबाग में शुक्रवार को महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इसमें शहर के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने नगर निगम से संबंधित अपनी समस्याएं और शिकायतें अधिकारियों के समक्ष रखीं। समाधान दिवस में कुल 149 शिकायतें दर्ज की गईं।प्राप्त शिकायतों में सर्वाधिक 89 शिकायतें कर विभाग से संबंधित रहीं। इसके अलावा इंजीनियरिंग एवं जल निकासी विभाग की 31, जल एवं सीवरेज विभाग की 22, मार्ग प्रकाश विभाग की तीन, उद्यान विभाग की दो तथा सफाई और पशु विभाग से एक-एक शिकायत प्राप्त हुई।जोनवार शिकायतों की बात करें तो जोन-6 से सर्वाधिक 31 शिकायतें दर्ज की गईं। जोन-1 से 27, जोन-3 से 23, जोन-8 से 22, जोन-7 से 17, जोन-2 से 11, जोन-4 से 10 और जोन-5 से आठ शिकायतें प्राप्त हुईं।

लंगूर बंदरों के आतंक से मिली राहत, मनोज चौधरी ने पकड़वाकर वन विभाग को सौंपा

लखनऊ। रुधौली विकासखंड क्षेत्र के सुरवार, रमवापुर, बिजहरडूहा, टिकरी, ढोढऊपार सहित दर्जनों गांवों में लंगूर बंदरों के आतंक से ग्रामीण लंबे समय से परेशान थे। बंदरों के झुंड से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ था। ग्रामीणों के अनुसार, बंदरों के हमले में करीब 20 लोग घायल भी हो चुके हैं।बंदरों के बढ़ते आतंक से परेशान ग्रामीणों ने इसकी सूचना रुधौली विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी मनोज चौधरी को दी। ग्रामीणों की समस्या की जानकारी मिलते ही मनोज चौधरी ने तत्काल बंदर पकड़ने वाली टीम को बुलवाया। टीम ने अभियान चलाकर आतंक का कारण बने लंगूर बंदरों को पकड़ लिया, जिसके बाद उन्हें संबंधित विभाग को सौंप दिया गया।समाजसेवी मनोज चौधरी ने कहा कि ग्रामीणों की ओर से उन्हें लगातार बंदरों के आतंक की सूचना मिल रही थी।

मिर्जापुर में 3.28 करोड़ रुपये से बनेगा बचपन डे केयर सेंटर, सरकार ने पहली किस्त के रूप में जारी किए दो करोड़

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग ने दिव्यांगजन कल्याण एवं विकास तथा उनके सुगम पुनर्वास की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए जनपद मिर्जापुर में 'बचपन डे केयर सेंटर' के भवन निर्माण के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। मूल्यांकन समिति की संस्तुति के आधार पर परियोजना की कुल लागत 328.42 लाख रुपये यानी करीब 3.28 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत निर्माण कार्य शुरू कराने के लिए पहली किस्त के रूप में 200 लाख रुपये यानी दो करोड़ रुपये की धनराशि अवमुक्त कर दी गई है।

कन्नौज दुग्ध संयंत्र को बेचा नहीं गया, 10 वर्ष के लिए एनडीडीबी को संचालन की जिम्मेदारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने स्पष्ट किया है कि कन्नौज दुग्ध संयंत्र को न तो बेचा गया है और न ही उसका स्वामित्व राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) को हस्तांतरित किया गया है। पशुपालकों के हित में संयंत्र का बेहतर और प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इसे 10 वर्ष की अवधि के लिए पट्टे और लाभ में हिस्सेदारी के आधार पर एनडीडीबी को संचालन के लिए सौंपा गया है।कन्नौज दुग्ध संयंत्र की स्थापित क्षमता प्रतिदिन एक लाख लीटर है। करीब 84.69 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस संयंत्र का निर्माण वर्ष 2019 में पूरा हुआ था और दिसंबर 2019 से इसका संचालन शुरू किया गया था। अपेक्षित मात्रा में दूध का संकलन नहीं हो पाने, स्थापित क्षमता के अनुरूप संचालन न होने तथा वित्तीय रूप से संतुलित संचालन संभव नहीं होने के कारण अक्टूबर 2022 से संयंत्र का नियमित संचालन नहीं हो पा रहा था।

झांसी में डेयरी कॉन्क्लेव, पशुपालकों की आय बढ़ाने और डेयरी क्षेत्र में निवेश पर जोर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में उन्नत नस्ल के गोवंश को बढ़ावा देने, पशुपालकों की आय बढ़ाने तथा प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के उद्देश्य से दुग्ध विकास विभाग की ओर से संचालित नंद बाबा दुग्ध मिशन और दुग्ध प्रोत्साहन नीति-2022 के प्रचार-प्रसार तथा डेयरी क्षेत्र में पूंजी निवेश आकर्षित करने के लिए मंडलवार 'डेयरी कॉन्क्लेव-सवर्ण दुग्धामृत संवाद संगोष्ठी' की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। मेरठ, आगरा और बरेली में सफल आयोजन के बाद शुक्रवार को झांसी के दीन दयाल सभागार में झांसी मंडल, चित्रकूटधाम मंडल और कानपुर मंडल को केंद्र में रखकर डेयरी कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया।इस अवसर पर पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि झांसी, चित्रकूटधाम और कानपुर मंडल कृषि, पशुपालन और डेयरी क्षेत्र की समृद्ध संभावनाओं वाले महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं, जो प्रदेश के डेयरी विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। सरकार का लक्ष्य केवल दुग्ध उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि दुग्ध प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, शीत श्रृंखला और डेयरी उद्योग की पूरी मूल्य श्रृंखला को मजबूत करना है, जिससे किसानों की आय बढ़े और महिलाओं तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हों। उन्होंने विश्वास जताया कि झांसी, चित्रकूटधाम और कानपुर मंडल प्रदेश के प्रमुख डेयरी केंद्र बनकर उत्तर प्रदेश की एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने 'स्वदेशी उन्नत गोवंश, समृद्ध निवेश, सुरक्षित भविष्य एवं खुशहाल उत्तर प्रदेश' के संकल्प को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया।दुग्ध आयुक्त धनलक्ष्मी के. ने कहा कि उत्तर प्रदेश दुग्ध उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है। राज्य सरकार किसानों को सुनिश्चित बाजार, पारदर्शी मूल्य निर्धारण और स्थायी आय उपलब्ध कराने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। नंद बाबा दुग्ध मिशन और दुग्ध नीति-2022 के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पादन, आधुनिक डेयरी विकास तथा उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण दूध एवं दुग्ध उत्पाद उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।नंद बाबा दुग्ध मिशन के तहत अब तक झांसी, चित्रकूटधाम और कानपुर मंडल में करीब 1200 लाभार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से 1100 लाख रुपये से अधिक की अनुदान राशि उपलब्ध कराई जा चुकी है। दुग्ध नीति के तहत इन तीनों मंडलों में विभिन्न परियोजनाओं के लिए 1350 लाख रुपये की अनुदान राशि अवमुक्त की गई है। दुग्ध विकास विभाग को अब तक 28 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें झांसी, चित्रकूटधाम और कानपुर मंडल के कुल 190 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव शामिल हैं। इनमें झांसी मंडल के 15 करोड़, चित्रकूटधाम मंडल के चार करोड़ और कानपुर मंडल के 171 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव हैं।कार्यक्रम में नंद बाबा दुग्ध मिशन के विभिन्न लाभार्थियों ने अपनी सफलता की कहानियां साझा कीं। इसके साथ ही पशु चिकित्सा महाविद्यालय, आरएलबीसीएयू झांसी, बांदा कृषि विश्वविद्यालय, कान्हा गौशाला सहित विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञों ने डेयरी क्षेत्र से जुड़े विषयों पर प्रस्तुतियां दीं।

सो, बाबू मोशाय, जिंदगी बड़ी होनी चाहिए लंबी नहीं

आनंद फिल्म में हीरो का एक लाजवाब वाक्य है, बाबू मोशाय, जिंदगी बड़ी होनी चाहिए, लंबी नहीं। और मेरे हिसाब से भारत के प्रधानमंत्रियों को परखने का भी यह एक सत्व-तत्व है। लालबहादुर शास्त्री, पीवी नरसिंह राव, अटल बिहारी वाजपेयी का कार्यकाल लंबा नहीं हुआ मगर बड़ा था। शास्त्री ने 1965 के युद्ध की चुनौती में ठोस लीडरशिप से वह कमाल किया, जिसने देश के मनोबल को ऊंचाई दी। नरसिंह राव मौनी थे, पर पंजाब, कश्मीर, उत्तर-पूर्व में अलगाववाद और आतंकवाद की कमर दृढ़ता से तोड़ी तो आर्थिक सुधारों और कूटनीति से वह दिशा बनाई, जिससे हिंदू विकास दर की जड़ता खत्म हुई। ऐसे ही वाजपेयी हों या डॉ. मनमोहन सिंह, इन्होंने देश और पूरे समाज को साथ लेकर चलने की कोशिश की। अमेरिका से परमाणु करार कर भारत का दशकों पुराना परमाणु अछूतपन खत्म किया। भारत दुनिया की तेजी से उभरती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाने लगा।

पर इनमें से एक भी प्रधानमंत्री ने (या नेहरू, इंदिरा गांधी, मोरारजी आदि किसी ने भी) अपनी सत्ता के पांच, दस, पंद्रह साल होने का तमाशा नहीं बनाया। अपना कीर्तन नहीं करवाया। सत्ता को नौटंकी नहीं बनाई। देश को विश्व राजनीति में लुढ़कता लोटा नहीं बनाया, बल्कि अपनी बुद्धि, वाणी और गरिमा से भारत की पहचान बनवाई।

जबकि नरेंद्र मोदी के लंबे पच्चीस साला पावर में क्या ऐसा एक भी बड़ा काम है? क्या उनके कार्यकाल से भारत की संस्थागत क्षमता, उत्पादकता या सामाजिक शक्ति की श्रीवृद्धि हुई या उलटे बरबादी हुई? बतौर मुख्यमंत्री उनका गुजरात मॉडल हो या बतौर प्रधानमंत्री 'अच्छे दिन', अमृतकाल, विकसित भारत जैसे सैकड़ों जुमले, किसी भी एक की असलियत, गहराई और परिणामों को यदि जांचें तो अल्टीमेटली वही सत्य उभरेगा, जिनसे उनका कार्यकाल सुधीजनों से चिह्नित हुआ है।

हां, लालकृष्ण आडवाणी ने अप्रैल 2014 में कहा था मैं नरेंद्र भाई को अपना चेला नहीं कहूंगा, लेकिन मैंने उनसे अधिक प्रतिभाशाली और कुशल इवेंट मैनेजर कभी नहीं देखा। अटल बिहारी वाजपेयी ने चार अप्रैल 2002 को अहमदाबाद में मोदी को राजधर्म याद कराते हुए कहा था, 'राजा और शासक के लिए प्रजा-प्रजा में भेद नहीं हो सकता, न जन्म के आधार पर, न जाति के आधार पर, न संप्रदाय के आधार पर'। एक और उदाहरण 'इंडिया टुडे' पत्रिका की गुजरात चुनाव जीतने के बाद की यह कवर स्टोरी है, 'मास्टर डिवाइडर' (6 जनवरी 2003)। फिर मोदी ने दिल्ली में सत्ता संभाली तो अरुण शौरी का यह अविस्मरणीय कथन सुनाई दिया कि सरकार आर्थिकी नहीं चला रही है, बल्कि वह हेडलाइंस का प्रबंधन कर रही है। फिर नोटबंदी हुई तब अरुण शौरी ने उसे अब तक की सबसे बड़ी मनी-लॉनड्रिंग स्कीम और बेवकूफी भरा झटका कहा था। चार अलग समय, अलग संदर्भ और अलग-अलग वर्णन, राजधर्म, मास्टर डिवाइडर, इवेंट मैनेजर और हेडलाइन मैनेजमेंट। पच्चीस साल बाद इनमें से कौन-सा वर्णन अप्रासंगिक हुआ? पूरे पच्चीस वर्षों की यही पहचान है।

बावजूद इसके नरेंद्र मोदी थकते नहीं हैं। उनका शो, तमाशा कभी ठिठकता या रुकता नहीं। और मैं क्योंकि नरेंद्र मोदी का प्रारंभ से प्रत्यक्षदर्शी हूं तो इस मजेदार रियलिटी को भी जानें। गुजरात के सीएमओ का प्रशासन जब पीके मिश्रा, कैलाशनाथन, एपी शर्मा जैसे अफसर संभालते थे, तब भी नरेंद्र मोदी जनसंपर्क अधिकारी जगदीश ठक्कर के साथ बैठकर प्रेस रिलीज बनवाते थे और 'गुजरात समाचार', 'संदेश' आदि में हेडलाइन प्रबंधन स्वयं संभालते थे। दिल्ली आए तो वे जगदीश ठक्कर को भी साथ ले कर आए। तब उनकी प्राथमिकता समाचार पत्र थे। फिर टीवी हुआ। ठक्कर की मृत्यु के बाद मोदी ने हीरेन जोशी को आगे किया। राष्ट्रीय मीडिया को मोदी दुकान बनाया। अखबार, टीवी चैनलों की क्रेडिबिलिटी खत्म हुई तो सोशल मीडिया का प्रबंधन शुरू हुआ। और अब वक्त इंस्टाग्राम का है तो रील्स बना कर अपना मुखड़ा युवाओं के गले उतार रहे है। मंच बदला, माध्यम बदला पर मोदी की मूल राजनीति और शासन की कला याकि हेडलाइन और नैरेटिव पर नियंत्रण को तनिक भी नहीं भूला।

छत्तीसगढ़ में नीतिगत बदलावों से विकास को मिली नई रफ्तार

किसानों, महिलाओं, गरीबों और युवाओं से लेकर उद्योगों, शिक्षा, बस्तर और सुशासन तक हो रहा बड़े फैसलों का असर

धनंजय राठौर

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किए गए बड़े नीतिगत सुधारों और जनकल्याणकारी फैसलों ने राज्य के समग्र विकास को एक नई दिशा दी है। प्रशासनिक पारदर्शिता, सुशासन और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में उठाए गए कदमों से हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार के ढाई वर्ष से ज्यादा केवल योजनाओं और घोषणाओं को जमीनी स्तर पर उतारने के ही नहीं, बल्कि कई क्षेत्रों में व्यवस्था बदलने वाले फैसलों के रहे हैं। सरकार ने एक ओर गरीब, किसान और महिलाओं से जुड़ी योजनाओं को तेजी से जमीन पर उतारा, वहीं दूसरी ओर उद्योग, शिक्षा, खनिज, डिजिटल गवर्नेंस और बस्तर के विकास में लंबे समय तक असर डालने वाले नीतिगत सुधार शुरू किए।

सरकार बनने के तुरंत बाद सबसे बड़ा फैसला प्रधानमंत्री आवास को लेकर हुआ। पहली कैबिनेट में ही 18 लाख से अधिक जरूरतमंद परिवारों के आवास की स्वीकृति देने का निर्णय लिया गया। प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) में अब तक 24.40 लाख आवास स्वीकृत हो चुके हैं। प्रदेश में औसतन करीब 1,600 आवास प्रतिदिन पूरे किए जा रहे हैं। ढाई वर्षों में पुराने और नए स्वीकृत आवास मिलाकर 11 लाख से अधिक घर लाभार्थियों को सौंपे जा चुके हैं।

इसी तरह सरकार ने धान खरीदी को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की बड़ी ताकत बनाया। किसानों को 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान बेचने की सुविधा दी गई। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में 25.24 लाख किसानों से 141.04 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया। समर्थन मूल्य और कृषक उन्नति योजना को मिलाकर किसानों को लगभग 43,723 करोड़ रुपए की राशि दी गई। खरीदी व्यवस्था में ऑनलाइन टोकन, बायोमेट्रिक सत्यापन और रियल टाइम मॉनिटरिंग जैसे सुधार किसानों के लिए काफी सुविधाजनक रहे।

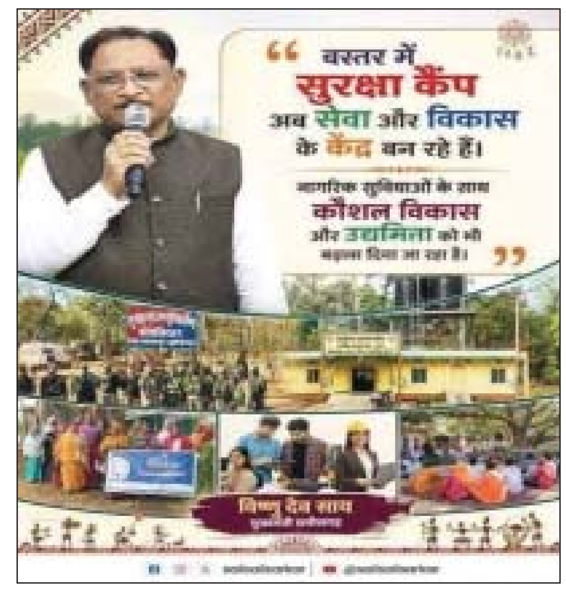

महिला सशक्तिकरण साय सरकार की प्रमुख पहचान के रूप में उभरा है। महतारी वंदन योजना की 31 किस्तों में लगभग 68 लाख पात्र महिलाओं को 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे खातों में दी जा चुकी है। प्रदेश में 13.85 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। बिहान मिशन में प्रदेश के 31 लाख से अधिक गरीब परिवारों की महिलाएं स्व-सहायता समूहों से जुड़ी हैं। महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने के लिए संपत्ति की रजिस्ट्री में पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत और स्टाम्प शुल्क में एक प्रतिशत की रियायत दी गई है।

बस्तर में बदलाव सरकार की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल है। नक्सलवाद दशकों से बस्तर के विकास में सबसे बड़ा रोड़ा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति से नक्सलवाद के विरूद्ध निर्णायक जीत हासिल हुई है। बस्तर में सुरक्षा कार्रवाई के साथ विकास और योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने की नीति अपनाई गई, जिससे बस्तर के लोगों का भरोसा सरकार पर मजबूत हुआ। 'नियद नेल्ला नार 2.0' और 'बस्तर मुन्ने अभियान' के जरिए विकास योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। ओरछा और जगरगुंडा जैसे सुदूर क्षेत्रों में एजुकेशन सिटी विकसित की जा रही है। बस्तर में लगभग 10 लाख परिवारों की आय बढ़ाने के लिए 4,824 करोड़ रुपए की 'आजीविका उन्नयन योजना' तैयार की गई है।

बस्तर के जंगलों में मौजूद सुरक्षा कैंप अब दूरदराज के गांव वालों के लिए सेवा और विकास के केंद्र बन रहे हैं। दूरस्थ गांवों में सार्वजनिक परिवहन के लिए 'मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा' शुरू की गई है। बस्तर में सड़क, पुल, मोबाइल नेटवर्क, उचित मूल्य दुकान, स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल और आंगनबाड़ी जैसी सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत 34 लाख से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल तैयार किया गया है। सरकार का जोर अब बस्तर को संघर्ष की पहचान से निकालकर शिक्षा, पर्यटन, आजीविका और उद्योगों की नई पहचान देने पर है।

उद्योग के क्षेत्र में राज्य में निवेश लाने के साथ उद्योगों की स्थापना की प्रक्रियाओं को आसान पर जोर दिया गया। छत्तीसगढ़ ने 450 से अधिक ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधार लागू किए हैं। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस एक्ट 2026 लाने वाला राज्य देश का पहला राज्य बना। जन विश्वास सुधारों के जरिए 279 छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया। वन-क्लिक सिंगल विंडो व्यवस्था, सरल भूमि डायवर्जन और रजिस्ट्री के बाद स्वतः नामांतरण जैसे सुधार किए गए हैं। नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के बाद 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनसे 1.72लाख से अधिक संभावित रोजगार के अवसर निर्मित होंगे।

लेखक संयुक्त संचालक, जनसंपर्क हैं

व्यंग्य

क्रय शक्ति और खपत पर आधारित

भारत में मजबूत होती के-शेप अर्थव्यवस्था में 'समृद्ध उपभोक्ताओं' की संख्या बढ़ना लाजिमी है। कोरोना काल के बाद समृद्धि का वितरण और गतिरुद्ध हुआ है। लग्जरी उपभोग का बढ़ना उसका ही परिणाम है।

मार्केट एजेंसी नीलसन-आईक्यू की ताजा रिपोर्ट के इस अनुमान पर कुछ हलकों में सुखबोध देखने मिला है कि अगले दस साल में भारत 'समृद्ध उपभोक्ताओं' के मामले में चीन को पछाड़ देगा। इस अनुमान के मुताबिक 2036 में भारत में 10.8 करोड़ ऐसे उपभोक्ता होंगे, जबकि चीन में यह संख्या 10.3 करोड़ के करीब होगी। नीलसन ने इसे भारतीय बाजार में आ रहे बड़े बदलाव का संकेत माना है। उसने 'समृद्ध उपभोक्ता' उन्हें माना है जो औसतन प्रति दिन 90 डॉलर (लगभग 8,500 रुपये) से अधिक खर्च करते हैं। यानी नीलसन का यह आकलन व्यक्ति की संपत्ति या आय के अनुसार नहीं, बल्कि क्रय शक्ति और खपत पर आधारित है।

इसके मुताबिक अभी भारत में ऐसे उपभोक्ताओं की संख्या लगभग 2.6 करोड़ है। यानी नीलसन का अनुमान सच होने के लिए जरूरी है कि अगले एक दशक में इस संख्या में सवा तीन गुणा बढ़ोतरी हो। भारत में मजबूत होती के-शेप अर्थव्यवस्था में चीजें इस ओर जाएंगी, यह अंदाजा लगाना उचित ही है। कोरोना काल के बाद अर्थव्यवस्था का यह रूप अधिक ठोस होता गया है, जिसमें धनी और गरीब तबकों के बीच का फासला बढ़ता चला जाता है। इस विषमता की तस्दीक तमाम अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों से हुई है। इससे बाजार में महंगी, लग्जरी चीजों की मांग बढ़ी है, जबकि आम उपभोग की स्थिति ठहराव का शिकार रही है।

पिछले साल एक अध्ययन रिपोर्ट में बताया गया कि देश में एक अरब से अधिक लोगों के पास बेहद जरूरी चीजों के अलावा किसी और खरीदारी की शक्ति नहीं है। नीलसन की रिपोर्ट से भी यही संकेत मिलता है कि भारत में महंगी कारों, इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं, पर्यटन, प्रीमियम उपभोग, लग्जरी वस्तुओं का बाजार और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों का विस्तार होगा। यह बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए अच्छी खबर है। बहरहाल, ऐसा होने की शर्त यह है कि देश में आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिरता रहे और शासक वर्ग सामाजिक असंतोष को नियंत्रण में रखने में सक्षम बना रहे। बढ़ती गैर-बराबरी के साथ ऐसा कर पाना अक्सर आसान नहीं होता। इसीलिए इस रिपोर्टों के बारे में भी कहा जाएगा कि इसकी अहमियत फिलहाल तात्कालिक सुखबोध तक सीमित है।

ब्लॉग

ब्रिक्स 2026: भारत की कूटनीतिक क्षमताओं को चुनौती देता

प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय

2026 में ग्लोबल जियो पॉलिटिक्स के मौजूदा माहौल के आधार पर, ब्रिक्स एक इकोनॉमिक इन्वेस्टमेंट के शॉर्ट फॉर्म से बढ़कर एक बड़ी इंस्टीट्यूशनल ताकत बन गया है जो उभरते हुए मल्टीपोलर वर्ल्ड ऑर्डर को आकार दे रहा है। इसके महत्व, उपलब्धियों, चुनौतियों और ब्रिक्स विरोधी बातों को सुलझाने के प्रयासों को समझना आवश्यक है।

ब्रिक्स ग्लोबल साउथ के हितों को बताने और एक ज़्यादा संतुलित बहुध्रुवीय विश्व बनाने के लिए एक बुनियादी प्लेटफ़ॉर्म बन गया है। 2025 तक, ब्रिक्स के सदस्य देश दुनिया की लगभग 48% आबादी और परचेसिंग पावर पैरिटी (पी पी पी) के आधार पर ग्लोबल जीडीपी का 39% हिस्सा थे।

भारत की 2026 ब्रिक्स प्रेसीडेंसी के तहत, इस की गाइडिंग थीम 'बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन और सस्टेनेबिलिटी' है। कमज़ोर ग्लोबल गवर्नेंस, प्रोटेक्शनिस्ट पॉलिसी और बढ़ती जियोपॉलिटिकल अनिश्चितता के दौर में, ब्रिक्स साउथ-साउथ सहयोग के लिए एक सही विकल्प देता है जो पारंपरिक दबदबे और हुक्म से रहित है। यह उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को अपनी पार्टनरशिप में विविधता लाने और ग्लोबल गवर्नेंस में अपनी आवाज़ बुलंद करने की इजाज़त देता है, बिना कोल्ड वॉर-स्टाइल के बाइनरी अलाइनमेंट में मजबूर हुए। ब्रिक्स ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। इसका सफ़र आसान नहीं था। कई चुनौतियों के बावजूद यह अपने अनेक लक्ष्यों को हासिल कर सका। कुछ मुख्य उपलब्धियां हैं:

स्ट्रेटेजिक विस्तारः ब्रिक्स ने सफलतापूर्वक अपनी पहुंच बढ़ाई है। 2026 तक, इस ब्लॉक में ऑफिशियली 11 सदस्य देश शामिल हैं: ओरिजिनल पांच (ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) प्लस मिस्र, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब (हालांकि सऊदी अरब अपने फॉर्मल स्टेटस को लेकर कुछ डिप्लोमैटिक अस्पष्टता बनाए हुए है)।

'पार्टनर देशों' का संस्थागतकरणः मुख्य फैसले लेने की क्षमता को कम किए बिना अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए, ब्रिक्स ने एक फॉर्मल 'पार्टनर देश' कैटेगरी शुरू की। 2025 में, दस देश—बेलारूस, बोलीविया, क्यूबा, कज़ाकिस्तान, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज़्बेकिस्तान और वियतनाम—ऑफिशियल पार्टनर के तौर पर शामिल हुए, जिससे एंगेजमेंट के लिए एक फ्लेक्सिबल फ्रेमवर्क बना।

न्यू डेवलपमेंट बैंक (एन डी बी) की उपलब्धियाँः एन डी बी ने हाल ही में अपनी 10वीं वर्षगाँठ मनाई, जिसमें क्लीन एनर्जी, ट्रांसपोर्ट और सस्टेनेबल डेवलपमेंट में 120 से ज़्यादा बड़े प्रोजेक्ट्स को फाइनेंस किया गया। इसने ग्लोबल साउथ को पार्टनरशिप, सॉवरेनिटी और शेयर्ड प्रायोरिटीज़ पर बना एक मल्टीलेटरल डेवलपमेंट बैंक सफलतापूर्वक दिया है, न कि वेस्टर्न-लेड फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन्स से जुड़ी कंडीशनैलिटीज़ पर। इंट्रा-ब्रिक्स ट्रेड ग्रोथः मेंबर्स के बीच दो दशकों के ट्रेड एक्सपेंशन ने डेवलप हो रहे इकोनॉमिक संबंधों को सामने लाया है, जिससे साउथ-साउथ ट्रेड के नए, रेसिलिएंट पैटर्न बने हैं जो बाहरी झटकों से कम वल्नरेबल हैं। कॉमर्स सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल ने 5 सितंबर, 2026 को कहा कि इंट्रा-ब्रिक्स मर्चेंडाइज़ ट्रेड अब कई गुना बढ़ गया है, जो मेंबर देशों के बीच गहरे ट्रेड इंटीग्रेशन और मज़बूत इकोनॉमिक कोऑपरेशन के लिए बहुत ज़्यादा अनटैप्ड पोटेंशियल को हाईलाइट करता है। 2003 में $84 बिलियन से 2024 में $1.17 ट्रिलियन तक इंट्रा-ब्रिक्स मर्चेंडाइज़ ट्रेड 13 गुना बढ़ गया, जो 13.3 परसेंट की सालाना एवरेज रेट से बढ़ रहा है, जो इसी समय के दौरान 5.7 परसेंट की ग्लोबल ट्रेड ग्रोथ से काफी ज़्यादा है।

भारत के लिए अलग-अलग चुनौतियों के बीच ब्रिक्स को आगे ले जाना आसान नहीं होगा। उनमें से कुछ ये हैं:

ब्रिक्स कनेक्ट्स को लागू करनाः भारत की 2026 की ब्रिक्स अध्यक्षता की पहल 'ब्रिक्स कनेक्ट्स' का उद्देश्य सदस्य देशों के नागरिकों को लाभ पहुँचाने को प्राथमिकता देना है। इसके मुख्य फ़ोकस एरिया में डिजिटल पेमेंट और फ़ाइनेंशियल इनक्लूज़न (वित्तीय समावेश) को बढ़ाना, एजुकेशनल डिग्री को आपसी मान्यता देना, सस्ता इंटरनेट और इंसानों पर केंद्रित ए आई, एक नया ब्रिक्स स्टार्टअप नॉलेज हब, और बेहतर ट्रेड कॉरिडोर शामिल हैं, जिनसे लॉजिस्टिक्स की लागत कम हो सकती है और सामान सस्ता हो सकता है।

अंदरूनी सोच में विभिन्नताः यह ग्रुप एक जैसा ग्रुप नहीं है, जिससे आम सहमति बनाना मुश्किल हो जाता है। इसमें बहुत अलग-अलग जियोपॉलिटिकल सोच वाले देश हैं, जिनमें वे देश शामिल हैं जो पश्चिम का सक्रिय रूप से सामना कर रहे हैं (जैसे, रूस, ईरान) से लेकर वे देश भी शामिल हैं जो पश्चिमी देशों (जैसे, भारत, ब्राज़ील) के साथ मज़बूत स्ट्रेटेजिक और इकोनॉमिक संबंध बनाए हुए हैं।

इंस्टीट्यूशनल एकता बनाम विस्तारः ब्रिक्स के सामने सबसे बड़ी चुनौती है कि वह खुद को ज़्यादा बढ़ाए बिना अपनी बढ़ती जियोपॉलिटिकल अहमियत को ठोस इंस्टीट्यूशनल असर में बदले। तेज़ी से विस्तार से इस ग्रुप के बेकाबू होने और निर्णायक रूप से काम करने की इसकी क्षमता कम होने का खतरा है।

अलग-अलग इकोनॉमिक प्राथमिकताएँः फाइनेंशियल इंटीग्रेशन पर सदस्यों के अलग-अलग विचार हैं। जहां कुछ लोग वेस्ट से तेज़ी से फाइनेंशियल डीकपलिंग पर ज़ोर देते हैं, वहीं दूसरे प्रैक्टिकल इकोनॉमिक डेवलपमेंट को प्राथमिकता देते हैं और बड़े फाइनेंशियल बदलावों के नतीजों से डरते हैं।

ब्रिक्स उस पश्चिमी नैरेटिव को बेअसर करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है जिसके तहत इसे 'पश्चिम-विरोधी क्लब' या एक विघटनकारी ताकत के तौर पर देखा जाता है। इन कोशिशों से निपटने के लिए यह कई रणनीतियाँ अपनाता हैः

नैरेटिव को नए सिरे से पेश करनाः 2026 में भारत की अध्यक्षता में नेतृत्व ने टकराव वाली छवि को स्पष्ट रूप से खारिज किया है। आधिकारिक राजनयिक रुख इस बात पर ज़ोर देता है कि 'ब्रिक्स पश्चिम-विरोधी नहीं है; यह संतुलन का पक्षधर है' और 'ब्रिक्स देशों को G7-विरोधी नहीं बनना चाहिए, और G7 को ब्रिक्स -विरोधी नहीं बनना चाहिए।' यह समूह खुद को स्वाभाविक रूप से विरोधी के बजाय 'गैर-पश्चिमी' और सुधारवादी के तौर पर पेश करता है।

डी-डॉलरलाइज़ेशन पर व्यावहारिक और क्रमिक दृष्टिकोणः गंभीर आर्थिक जवाबी कार्रवाई (जैसे टैरिफ की धमकियाँ) से बचने के लिए, ब्रिक्स ने डी-डॉलरलाइज़ेशन से जुड़ी अपनी बयानबाज़ी को नरम किया है। अमेरिकी डॉलर या ब्रिक्स की साझा मुद्रा को अचानक और पूरी तरह से बदलने के बजाय—जिसका भारत जैसे सदस्यों ने स्पष्ट रूप से विरोध किया है—यह समूह व्यावहारिक और क्रमिक बदलाव पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसमें स्थानीय मुद्रा में लेन-देन को बढ़ावा देना, द्विपक्षीय स्वैप समझौते और व्यापार के लिए डिजिटल मुद्रा के ढांचे की संभावनाओं को तलाशना शामिल है।

समावेशी बहुपक्षवाद पर ध्यानः ब्रिक्स लगातार व्यापक UN सुधार, बहुपक्षीय व्यापार सुधार और समावेशी वैश्विक शासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है। मौजूदा संस्थानों को पूरी तरह खत्म करने के बजाय उनमें सुधार की वकालत करके, ब्रिक्स कई उदारवादी देशों का समर्थन हासिल करता है।

'एक्सक्लूसिव ब्लॉक' (सीमित समूह) की धारणा को कम करनाः 'पार्टनर कंट्री' मॉडल की शुरुआत रणनीतिक रूप से उन देशों को शामिल करती है जो अमेरिका के सहयोगी या साझेदार भी हैं (जैसे थाईलैंड, मलेशिया और कज़ाकिस्तान)। इससे पता चलता है कि ब्रिक्स के साथ जुड़ना पश्चिमी देशों के साथ संबंधों के खिलाफ़ नहीं है, जिससे इस समूह को राजनयिक रूप से अलग-थलग करने की कोशिशें कमज़ोर पड़ती हैं।

2026 में ब्रिक्स एक जटिल बदलाव के दौर से गुज़र रहा है। इसकी अहमियत 'ग्लोबल साउथ' को एक व्यवस्थित और संस्थागत आवाज़ देने की क्षमता में निहित है। भारत, जो 2012, 2016 और 2021 के बाद चौथी बार ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है, ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय और व्यापारिक बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करने के अपने प्रयासों को भी प्रदर्शित किया। लेकिन ब्रिक्स की दीर्घकालिक सफलता आंतरिक मतभेदों को सुलझाने, एन डी बी जैसे तंत्रों के माध्यम से ठोस आर्थिक लाभ पहुँचाने और एक व्यावहारिक व सुधार-उन्मुख रुख बनाए रखने पर निर्भर करेगी, जो ब्रिक्स को रोकने की कोशिशों को बेअसर कर सके।

एक ही परिवार को 23 लाख का मुआवजा... हाईकोर्ट सख्त, पूरे यूपी में एससी/एसटी एक्ट में मिले पैसे की होगी पड़ताल

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम (SC/ST Act) के तहत पीड़ितों को मिलने वाली आर्थिक सहायता और मुआवजे के दावों को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बेहद सख्त रुख अपनाया है। हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को पूरे प्रदेश में ये जांच कराने के निर्देश दिए हैं कि SC/ST एक्ट के तहत राहत राशि का दावा और भुगतान किस प्रक्रिया के तहत किया जा रहा है। और क्या एक ही व्यक्ति या परिवार बार-बार इसका लाभ उठा रहा है?

न्यायमूर्ति संतोष राय की एकल पीठ ने झांसी के दो मामलों से जुड़ी आपराधिक अपीलों पर सुनवाई करते हुए यह ऐतिहासिक फैसला सुनाया। एक मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि झांसी के एक अपीलकर्ता संतोष कुमार धोहरे (जो स्वयं पेशे से अधिवक्ता हैं) और उनके परिवार के सदस्यों को अलग-अलग आपराधिक मामलों में अब तक कुल 23 लाख 36 हजार 250 रुपये की राहत राशि मिल चुकी है।

इसके अलावा, लगभग 10 से 12 अन्य मामलों में भी राहत राशि से जुड़े दावे जिला स्तरीय समिति के समक्ष लंबित हैं। राज्य सरकार द्वारा पेश इन आंकड़ों को अपीलकर्ता पक्ष खारिज नहीं कर सका, जिसके बाद हाईकोर्ट ने इसे एक 'जांच योग्य' पैटर्न माना।

न्यायमूर्ति संतोष राय ने सुनवाई के दौरान साफ किया कि किसी व्यक्ति या परिवार के खिलाफ बार-बार मुकदमे दर्ज होना और राहत राशि का दावा किया जाना अपने आप में दुरुपयोग का सबूत नहीं हो सकता। हालांकि, मामलों की संख्या और राहत के दावों की बारंबारता ऐसी है, जिसकी निष्पक्ष जांच होना बेहद जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि SC/ST एक्ट के तहत मिलने वाला मुआवजा अत्याचार के वास्तविक पीड़ितों के पुनर्वास के लिए एक महत्वपूर्ण कल्याणकारी प्रावधान है, और इस व्यवस्था की पवित्रता, पारदर्शिता व विश्वसनीयता को बनाए रखना सरकार का दायित्व है।

झांसी के DM-SSP को 3 महीने के भीतर जांच पूरी करने के निर्देश

हाईकोर्ट ने झांसी के जिलाधिकारी (DM) को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) के साथ समन्वय बनाकर संबंधित मामलों की विस्तृत और निष्पक्ष जांच करने का निर्देश दिया है। जांच में दर्ज मुकदमों, मांगी गई व प्राप्त राहत राशि और दावों की परिस्थितियों को शामिल किया जाएगा। इस जांच को 3 महीने के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। यदि जांच में योजना के दुरुपयोग की पुष्टि होती है, तो दोषी व्यक्तियों के साथ-साथ जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होगी।

समाज कल्याण अधिकारी पर मनमानी का आरोप

यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब झांसी की विशेष अदालत (SC/ST Act) ने पीड़ितों के उस आवेदन को खारिज कर दिया था, जिसमें जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा चार्जशीट दाखिल होने पर 75% राशि के बजाय केवल 37.5% (75,000 रुपये) जारी किए जाने को चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने माना कि निचली अदालत ने नियम 12(7) की व्याख्या करने में गलती की थी। विशेष अदालत केवल एक औपचारिकता निभाने वाला निकाय नहीं है, बल्कि उसके पास यह अधिकार है कि वह जांच करे कि पीड़ित को समय पर पूरा मुआवजा मिला या नहीं। हाईकोर्ट ने झांसी की विशेष अदालत को 6 सप्ताह के भीतर इस पर नए सिरे से फैसला लेने का आदेश दिया।

पूरे उत्तर प्रदेश में बनेगा मॉनिटरिंग सिस्टम

हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को पूरे राज्य में व्यापक जांच अभियान चलाने और एक प्रभावी नियामक व निगरानी तंत्र तैयार करने के निर्देश दिए हैं ताकि सरकारी खजाने से दिए जाने वाले फंड का दुरुपयोग रोका जा सके। साथ ही, कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस जांच का मकसद किसी को पहले से दोषी मानना नहीं है और वास्तविक पीड़ितों को मिलने वाली राहत में कोई रुकावट नहीं आनी चाहिए। रजिस्ट्रार जनरल को फैसले की प्रति 10 दिनों के भीतर मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी और सभी जिलों के जिला जजों व डीएम को भेजने के आदेश दिए गए हैं।

सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा

जौनपुर। प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के निरंतर सेवा काल की जनकल्याणकारी उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा प्रत्येक नागरिक को विकसित भारत-2047 के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में सेवा संकल्प अभियान का आयोजन 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर, तक किया जाना है। अभियान के अंतर्गत 13 प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उक्त अभियान की रूपरेखा तैयार किए जाने के संबंध में जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में देर सायं तैयारियों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने अभियान के अंतर्गत आयोजित किए जाने वाले 13 प्रमुख कार्यक्रमों की तैयारियों एवं रूपरेखा की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्यक्रमों का समयबद्ध, सुव्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण आयोजन सुनिश्चित किया जाए तथा अभियान के उद्देश्यों को जनसामान्य तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए।

चकबंदी प्रक्रिया में धांधली पर प्रदर्शन

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। बदलापुर तहसील के बनगांवपट्टी, के दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने शुक्रवार को प्रदर्शन किया। उन्होंने चकबंदी प्रक्रिया में धांधली का आरोप लगाते हुए जिला प्रशासन को पत्र सौंपा। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ खास लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए उनके पहले से आवंटित चक बदल दिए गए हैं।इससे गांव में आए दिन बुवाई और कटाई को लेकर गंभीर विवाद हो रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में चकबंदी प्रक्रिया साल 1973-74 में शुरू हुई थी। चकों का आवंटन और कब्जा बदलने का काम 1995 तक पूरा हो गया था। कुछ लोगों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक विवाद को लेकर याचिका दायर की, जिससे चकबंदी का काम रुक गया था।कब्जा बदलने के बाद सभी चकदार अपने चकों पर मकान, दलान और पंपिंग सेट लगाकर शांतिपूर्वक खेती कर रहे थे। साल 2018-19 में चकबंदी का काम फिर से शुरू हुआ। इस दौरान चकबंदी लेखपाल और कानूनगो ने कुछ चकों का सर्वे किया। चकबंदी कार्यालय में काश्तकारों को भरोसा दिलाया गया कि पहले की प्रक्रिया के अनुसार ही सर्वे हो रहा है और कोई विवाद नहीं होगा। ग्राम-बनगाँव पट्टी, धर्मा (सलेखनपट्टी) बदलापुर मे रार्वे रिपोर्ट लागू न होना, गांव में बैठक न होना पुष्टीकृत मवशा मायब, रिकार्ड में छेड़छाड़ एवं जीर्णशीर्ण, बन्दोवस्त में गड़बड़ी के खिलाफ पीड़तिों का मुख्य मांग-गाँव में बैठक करके बन्दोबस्त अक्शा दुरस्तीकरण किया जाये। गांव में बिना किसी बैठक या सूचना के एक नया नक्शा बना दिया गया। यह नक्शा गांव के पुष्टीकृत भू-नक्शे के खिलाफ था। ग्रामीणों का आरोप है कि व्यक्ति विशेष को लाभ पहुंचाने के लिए पहले से आवंटित चकों को उनके मूल स्थान से हटाकर बदल दिया गया। ग्रामीण आज तक कलेक्ट्री और चकबंदी कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं।चकबंदी अधिकारी सभी सबूत दिखाने पर भी धारा 52 का हवाला देकर टाल-मटोल करते हैं। जिलाधिकारी ने कई बार जांच के आदेश दिए, लेकिन आज तक कोई मौके पर नहीं आया और न ही कोई कार्रवाई हुई। गांव का पुष्टीकृत नक्शा भी गायब कर दिया गया है।

कार लोन के लिए कलयुगी बेटी की करतूत पिता-भाभी पर तानी पिस्टल, CCTV में कैद गाजियाबाद की ये घटना

गाजियाबाद के वृंदावन गार्डन कॉलोनी की हैरान करने वाली घटना

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के साहिबाबाद इलाके से एक बेहद खौफनाक और हैरान कर देने वाला पारिवारिक विवाद सामने आया है। यहां कार लोन के वेरिफिकेशन से पिता द्वारा इनकार किए जाने पर एक युवती इस कदर आगबबूला हो गई कि उसने अपने ही पिता और भाभी पर पिस्टल तान दी और जान से मारने की धमकी दे डाली। गेट तोड़कर घर में जबरन घुसने और पिस्टल लहराने की यह पूरी खौफनाक वारदात घर में लगे सीसीटीवी (CCTV) कैमरों में कैद हो गई है।

ये सनसनीखेज मामला थाना साहिबाबाद क्षेत्र की वृंदावन गार्डन कॉलोनी का है। पीड़ित पिता हितेश तोमर के मुताबिक, उनकी बेटी प्रियंका तोमर करीब ढाई साल पहले अपनी मर्जी से घर छोड़कर अलग रहने लगी थी। आरोप है कि 8 सितंबर 2026 की शाम करीब 5 बजे प्रियंका अपनी एक सहेली के साथ अचानक घर पहुंची। उसने अपने पिता से कार लोन के वेरिफिकेशन में मदद करने और दस्तावेज वेरीफाई कराने को कहा। लेकिन हितेश तोमर ने इस वेरिफिकेशन से साफ इनकार कर दिया।

पिता के इनकार करते ही प्रियंका आपा खो बैठी और पिता के साथ उग्र होकर गाली-गलौज करने लगी। जब घर में मौजूद भाभी बीच-बचाव करने पहुंचीं, तो आरोपी युवती ने उनके साथ भी हाथापाई की। हंगामा बढ़ता देख आसपास के पड़ोसी मौके पर जमा हो गए, जिसके बाद युवती वहां से चली गई। लेकिन विवाद यहीं खत्म नहीं हुआ। करीब 25 मिनट बाद प्रियंका अपनी सहेली के साथ फिर से वापस आई और इस बार उसने घर का मेन गेट तोड़ दिया और जबरन घर के अंदर दाखिल हो गई।

पहली मंजिल पर भागकर पिता और भाभी ने बचाई जान

घर के अंदर घुसते ही युवती ने अपने पास मौजूद पिस्टल निकाली और पिता व भाभी पर तानते हुए उन्हें गोली मारने की धमकी दी। इस अचानक हुए जानलेवा हमले से घबराए पिता और भाभी ने अपनी जान बचाने के लिए तुरंत भागकर पहली मंजिल पर शरण ली। युवती द्वारा पिस्टल लहराने, धमकी देने और गेट तोड़ने की पूरी सनसनीखेज घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई है। फुटेज में युवती खुलेआम हाथ में पिस्टल लहराती दिख रही है।

साहिबाबाद थाने में FIR दर्ज, ACP बोले- जल्द होगी गिरफ्तारी

घटना के बाद पीड़ित पिता की शिकायत पर साहिबाबाद थाना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 9 सितंबर 2026 को आरोपी बेटी प्रियंका तोमर और उसकी सहेली के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जानकारी देते हुए एसीपी (ACP) साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि CCTV फुटेज को कब्जे में लेकर जांच का हिस्सा बनाया गया है। आरोपी युवती और उसकी सहेली की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षेप

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

जौनपुर। केराकत कोतवाली क्षेत्र के थानागद्दी चैकी अंतर्गत मथुरापुर गांव में गुरुवार देर रात 22 वर्षीय युवक अरमान अली ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। अरमान अपने मां–बाप का इकलौता बेटा था।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। युवक ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लोक अदालत आज

जौनपुर। सिविल जज सी0डि0सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सुशील कुमार सिंह ने अवगत कराया है कि जनपद न्यायाधीश/ अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में 12 सितम्बर को प्रात: 10.30 बजे मीटिंग हाल, दीवानी न्यायालय परिसर, में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है।

मानसिक परेशानी में चुप न रहें, बात करें और मदद लें

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के वेलनेस सेंटर के तत्वावधान में भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक तनाव और आत्महत्या की रोकथाम के प्रति जागरूक करना रहा। समन्वयक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि आत्महत्या के पीछे सामाजिक, पारिवारिक और व्यक्तिगत सहित कई कारण हो सकते हैं। सकारात्मक वातावरण, संवेदनशील संवाद और समय पर सहयोग से ऐसे संकटों को काफी हद तक रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि आत्महत्या की रोकथाम सामूहिक जिम्मेदारी है। नोडल अधिकारी डॉ. अन्नू त्यागी ने मानसिक प्राथमिक सहायता के तीन महत्वपूर्ण चरण "देखें, सुनें और सहायता करें" बताए। उन्होंने समझाया कि 'देखें' का अर्थ संकट के संकेतों को पहचानना, 'सुनें' का अर्थ व्यक्ति की बात को संवेदनशीलता और सहानुभूति के साथ सुनना तथा 'सहायता करें' का अर्थ आवश्यक सहयोग देना और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ या मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना है। उन्होंने युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। प्रोफेसर डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और समय पर परामर्श बेहद महत्वपूर्ण है। किसी परेशान व्यक्ति से बातचीत करना और उसे भावनात्मक सहयोग देना कई बार महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है। विद्यार्थियों ने मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या रोकथाम से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने समाधान किया। विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

निरीक्षण में कई दुकानों मिली घटतौली

जौनपुर । वरिष्ठ निरीक्षक विधिक माप विज्ञान द्वारा टीम गठित करके मड़ियाहूँ बाजार में निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में मे0 चैरसिया मिष्ठान भंडार, सदरगंज, मड़ियाहूँ, जौनपुर में 1 किग्रा मिठाई पर 76 ग्रा एवं मे0 बीकानेर मिष्ठान भंडार, सदरगंज, मड़ियाहूँ, में 1 किग्रा मिठाई पर 92 ग्रा की घटतौली पाए जाने पर विधिक कार्यवाही की गयी। इसी प्रकार मे0 विनोद जलपान गृह, सिपाह रेलवे फाटक के समीप, जौनपुर में 1 लीटर स्प्राईट के विक्रय पर ओवरचार्जिंग पाए जाने पर विधिक कार्यवाही की गयी। धर्मेंद्र कुमार ओमप्रकाश ज्वेलर्स, बनारसी अलंकार मंदिर, हर्ष मोदनवाल (मीठा विक्रेता), मोहनलाल (मीठा विक्रेता), गारन्टी ज्वेलर्स, सुमित्रा देवी (मीठा विक्रेता), शाहआलम (सब्जी विक्रेता), एवं एम एन ट्रेडर्स जौनपुर के बाँट–माप नियमानुसार सत्यापित नहीं पाए जाने के कारण विधिक माप विज्ञान अधिनियम की संगत धाराओं के अंतर्गत कार्यवाही सम्पादित की गयी। दुकानदारों को निर्देशित किया गया कि वे अंकित मूल्य से अधिक मूल्य पर किसी भी सामान का विक्रय न करें एवं अपने बांटों–मापों का ससमय सत्यापन–मुद्रांकन कराना सुनिश्चित करें।

गुड़िया हत्याकांड की फिर से जांच की मांग

जौनपुर। जिले के पनौली गांव में विगत दिनों हुई गुड़िया की हत्या के मामले को लेकर एआईएमआईएम के जिलाध्यक्ष इमरान बंटी पार्टी पदाधिकारियों के साथ पनौली गांव पहुंचे। उन्होंने मृतका के परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की और परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि मृतका के परिजन पुलिस की अब तक की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने बताया कि मृतका की पुत्री के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से आग्रह किया कि मामले की गंभीरता से जांच कर अन्य संभावित एंगल की भी जांच की जाए। कहा कि करीब सात-आठ माह पूर्व इसी पनौली गांव में फूलचंद्र पासवान नामक व्यक्ति की भी हत्या हुई थी। गांव के लोगों के अनुसार दोनों हत्याओं के घटनाक्रम में समानताएं बताई जा रही हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से इस पहलू को भी गंभीरता से लेते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष और गहन जांच कराने की मांग की।

घर में खून से लथपथ पड़ी थी ससुर की लाश, उधर किटी पार्टी में डांस कर रही थी बहू

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। दवा कारोबारी विनीत मिनोचा की हत्या की रात आरोपित बेटा-बहू तिलक नगर के कास्मोजिन लाउंज (रेस्टोरेंट) में किटी पार्टी में शामिल होने गए थे। बहू शालू ही इस किटी पार्टी की आयोजक थी। इस बात का खुलासा जेल में बंद शालू के बड़े भाई धीरज अरोड़ा ने किया है। हालांकि, धीरज का कहना है कि ये एक इत्तेफाक है कि जिस रात बहन शालू के ससुर विनीत मिनोचा की हत्या हुई, उसी रात शालू और उनके पति सुब्रत कास्मोजिन लाउंस में किटी पार्टी में गए थे।

दोनों हत्या कराने के बाद पार्टी में नाच रहे थे, ये सही नहीं है। धीरज के मुताबिक, सुब्रत के वॉट्सएप में 10-15 दवा व्यापारियों का एक ग्रुप है, जो हर महीने किटी पार्टी में शामिल होते हैं। हर बार कोई न कोई पार्टी का आयोजक बनता है। इत्तेफाक से उस रात शालू आयोजक थी।

रेस्टोरेंट चालक के बयान से विरोधाभास

पुलिस को हत्या की रात आरोपित शालू और उसके पति सुब्रत का कास्मोजिन लाउंस में पार्टी में नाचते हुए वीडियो मिला था। दवा कारोबारी विनीत मिनोचा की हत्या के बाद दुखी बहू शालू को संभालते स्वजन। लाउंज संचालक लवी मिश्रा ने पुलिस को बताया था कि शनिवार रात की किटी पार्टी को रतनलाल नगर के नवीन मेडिकल स्टोर संचालक नवीन ने एक सितंबर को बुक कराया था, जिसमें करीब 33 लोग शामिल थे। इसमें तीन-चार लोगों का जन्मदिन भी था। वे लोग 10:30 बजे रेस्टोरेंट में पहुंचे थे और रात तीन बजे लौटे थे।

मामले की गहनता से जांच कर रही पुलिस

मामले में डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि कास्मोजिन लाउंज में दिवंगत के बेटे और बहू के नाचते हुए प्रचलित वीडियो कब और कहां व किसने बनाया है, इसकी पुष्टि नहीं है। जांच के दौरान उस स्थान पर लगे सीसी कैमरे देखे गए थे, जिसकी रिकॉर्डिंग फुटेज उपलब्ध नहीं हो पाए हैं। लाइव फुटेज मिली है। वीडियो के स्रोत व समय की जांच की जा रही है। प्रकरण में अन्य संभावित संदिग्धों से भी पूछताछ की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

छात्राओं को बताया आत्मनिर्भरता के गुर

जौनपुर। अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा आयोजित 45 दिवसीय निःशुल्क सौंदर्य प्रशिक्षण शिविर ब्यूटी पार्लर टी डी कॉलेज दक्षिणी गेट पर आयोजित किया गया, इस शिविर में छात्राओं और महिलाओ ने सौंदर्य कला के साथ आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास के नए आयाम सीखे। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि बयालसी महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अलकेश्वरी सिंह और विशिष्ट अतिथि तिलकधारी सिंह महाविद्यालय प्रोफेसर डॉ माया सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि जिस तरह से प्रशिक्षणार्थियों ने सीखने की ललक और उत्साह के साथ प्रत्येक गतिविधि में भाग लिया, जिससे उनके भीतर की प्रतिभा दिखाई दे रही है बहुत ही सराहनीय कार्य है। विशिष्ट अतिथि डॉ0 माया ने कहा कि हुनर केवल हाथों को दक्ष नहीं बनाता, बल्कि व्यक्ति को अपने पैरों पर खड़े होने का साहस भी देता है।भविष्य में ये बच्चियाँ किसी पर आश्रित नहीं रहेगी, खुद से अपनी एक पहचान बना सकती है, ऐसे बच्चों को सिर्फ एक उत्साहवर्धन की जरूरत होती है । कुल 30 बच्चियों ने प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया। सभी बच्चियों और महिलाओ को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया! कार्यशाला में बेहतर प्रदर्शन मे सुशीला यादव वैक्स, जानकी हेयर स्टाइल कोमल अग्रहरि मेकअप मे रही जिनको मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया! मुख्य अतिथि डॉ अलकेश्वरी सिंह और विशिष्ट अतिथि डॉ माया सिंह के साथ क्षमा सिंह, रेखा सिंह, उर्वशी सिंह ने सभी को बच्चियों को सर्टिफिकेट और मोमेंटो देकर सम्मानित किया! धन्यवाद और आभार ट्रस्ट परिवार की सदस्य रेखा सिंह ने किया और संचालन क्षमा सिंह ने किया!

24 घंटे लजीज खाने का मजा! नोएडा में खुलेंगे 2 नए फूड मार्केट....इस प्लानिंग का क्या है इंदौर कनेक्शन

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। नोएडा में खाने-पीने और घूमने-फिरने के शौकीनों के लिए जल्द दो नए ठिकाने तैयार होने जा रहे हैं। नोएडा प्राधिकरण शहर में इंदौर की मशहूर 56 दुकान की तर्ज पर दो आधुनिक स्ट्रीट फूड मार्केट विकसित कर रहा है। इन बाजारों में अलग-अलग तरह के व्यंजनों के साथ लोगों के बैठने और हैंगआउट करने की सुविधा भी होगी। खास बात यह है कि दोनों बाजारों को 24 घंटे और सातों दिन संचालित करने का प्रस्ताव है।

प्राधिकरण ने दोनों स्ट्रीट मार्केट के लिए स्थान तय कर दिए हैं। सेक्टर 38ए में बोटैनिकल गार्डन और जीआईपी मॉल के बीच 19 कियोस्क तैयार किए गए हैं। वहीं सेक्टर 18 में बाजार के पास 15 कियोस्क स्थापित किए जा रहे हैं। इन छोटे स्टॉल पर खान-पान से जुड़ी अलग-अलग दुकानें संचालित करने की योजना है।

प्राधिकरण का उद्देश्य ऐसे स्थान विकसित करना है, जहां लोग परिवार और दोस्तों के साथ बैठकर खाने-पीने का आनंद ले सकें। खुले वातावरण में समय बिताने और मनोरंजन के लिए भी यहां सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

करीब 2.5 करोड़ रुपये होंगे खर्च

दोनों स्ट्रीट मार्केट की परियोजना पर नोएडा प्राधिकरण करीब 2.5 करोड़ रुपये खर्च कर रहा है। बाजारों में आने वाले लोगों की सुविधा के लिए 100 से अधिक वाहनों की सरफेस पार्किंग तैयार करने की भी व्यवस्था की जा रही है। कियोस्क का आवंटन किराए पर करने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। इसके लिए सेक्टर 96 स्थित नोएडा प्राधिकरण के मुख्य प्रशासनिक भवन में नीलामी को लेकर बैठक आयोजित की गई। इसमें पांच कंपनियों और चार लोगों ने हिस्सा लिया और अपने सुझाव दिए।

किराया कम करने की मांग

बैठक के दौरान कियोस्क के लिए तय शुरुआती किराए को कम करने की मांग सामने आई। फिलहाल शुरुआती किराया 62 हजार रुपये निर्धारित किया गया है। इसके अलावा 18 फीसदी जीएसटी भी देना होगा। आवंटन प्रक्रिया में जरूरी बदलाव करने के बाद कियोस्क आवंटित किए जाने की बात कही गई है। प्राधिकरण की योजना है कि इन बाजारों में खान-पान से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए और शहर के लोगों को एक नया हैंगआउट स्पॉट मिले।

प्रस्तावित स्ट्रीट मार्केट में अलग-अलग तरह के व्यंजनों की दुकानें होंगी। लोगों के बैठने, घूमने और खुले माहौल में समय बिताने के लिए बेहतर व्यवस्था तैयार की जाएगी। दुकानों के लिए पानी और पीएनजी गैस कनेक्शन जैसी सुविधाएं अनिवार्य रखी जाएंगी। साथ ही संचालकों को साफ-सफाई से जुड़े निर्धारित नियमों का पालन करना होगा। हालांकि बाजारों को 24 घंटे और सातों दिन खोलने का प्रस्ताव है, लेकिन इस पर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। संचालन की समय-सीमा को लेकर पुलिस और जिला प्रशासन के साथ समन्वय के बाद निर्णय लिया जाएगा। अगर 24 घंटे संचालन की अनुमति मिलती है तो ये बाजार नोएडा में देर रात तक खाने-पीने और घूमने वालों के लिए नया आकर्षण बन सकते हैं।

लैपटॉप, मोबाइल और टीवी जैसे उपकरणों को साफ करने के लिए अपनाएं ये तरीके

आजकल हमारे जीवन में तकनीकी उपकरणों का बड़ा महत्व है। चाहे वह मोबाइल हो, लैपटॉप हो या टीवी, इनकी सफाई और देखभाल करना जरूरी है। सही तरीके से सफाई करने से न केवल ये उपकरण ज्यादा समय तक चलते हैं, बल्कि इनकी कार्यक्षमता भी बनी रहती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और असरदार तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने उपकरणों को सुरक्षित और साफ रख सकते हैं।

लैपटॉप को साफ करने का आसान तरीका

लैपटॉप की सफाई करते समय सबसे पहले उसे बंद करें और बिजली का कनेक्शन हटा दें। कीबोर्ड के बीच जमा धूल हटाने के लिए एक छोटा ब्रश या मुलायम ब्रश का उपयोग करें।

स्क्रीन को साफ करने के लिए एक सैनिटाइजर वाइप का इस्तेमाल करें और इससे स्क्रीन को हल्के हाथ से पोंछें। लैपटॉप के बाहरी हिस्से को भी साफ करें और फिर एक सूखे कपड़े से उसे अच्छी तरह पोंछ लें।

मोबाइल फोन को साफ करने का सही तरीका

मोबाइल फोन की सफाई से पहले उसे बंद कर दें। इसके बाद एक सूती कपड़ा या मुलायम कपड़ा लें और उसे हल्का गीला करें। इस कपड़े से फोन की स्क्रीन और बैक साइड को धीरे-धीरे साफ करें।

ध्यान रखें कि पानी फोन के अंदर न जाए। अगर स्पीकर या चार्जिंग पोर्ट में धूल हो तो उसे हल्के ब्रश से साफ करें। स्क्रीन को चमकाने के लिए आप सूखे और साफ कपड़े का इस्तेमाल कर सकते हैं।

टीवी को साफ करने का तरीका

टीवी की सफाई करते समय सबसे पहले उसे बंद करें और बिजली का कनेक्शन हटा दें।

स्क्रीन को साफ करने के लिए एक मुलायम कपड़ा लें और उसे हल्के गीले कपड़े से पोंछें। ध्यान रखें कि स्क्रीन पर ज्यादा दबाव न डालें। टीवी के पीछे और किनारों में जमा धूल को हटाने के लिए ब्रश या हल्का वैक्यूम क्लीनर का उपयोग करें।

गेमिंग कंसोल को साफ रखने का तरीका

गेमिंग कंसोल की सफाई करते समय सबसे पहले उसे बंद करें और बिजली का कनेक्शन हटा दें। कंसोल के बाहरी हिस्सों को सूती कपड़े से साफ करें।

डिस्क स्लॉट और हवा पास होने वाले हिस्सों में जमा धूल को हटाने के लिए ब्रश का उपयोग करें। अगर कंसोल में डिस्क का उपयोग होता है तो डिस्क को हल्के गीले कपड़े से पोंछें और फिर सूखे कपड़े से अच्छी तरह साफ करें।

स्मार्ट स्पीकर को साफ करने का सही तरीका

स्मार्ट स्पीकर की सफाई करते समय सबसे पहले उसे बंद करें और बिजली का कनेक्शन हटा दें। स्पीकर के बाहरी हिस्सों को मुलायम कपड़े से पोंछें।

अगर स्पीकर पर धूल जमी हो, तो उसे ब्रश से साफ करें। स्पीकर के जालीनुमा हिस्सों को साफ करते समय सावधानी बरतें ताकि अंदर कोई नुकसान न हो। स्पीकर को गीले कपड़े से साफ करने के बाद उसे सूखा कपड़ा लेकर सुखा लें। इस तरह से आपका स्पीकर लंबे समय तक नया जैसा दिखेगा।

त्वचा के लिए फायदेमंद है ड्राई ब्रशिंग, जानिए इससे मिलने वाले 5 फायदे

ड्राई ब्रशिंग एक ऐसी तकनीक है, जो त्वचा की देखभाल में मदद करती है। इसमें सूखे ब्रश से त्वचा को हल्के हाथों से रगड़ा जाता है। यह प्रक्रिया शरीर में खून के बहाव को बढ़ाती है और त्वचा को ताजगी देती है। यह शरीर से जहरीले तत्वों को बाहर निकालने में भी मदद करती है। ड्राई ब्रशिंग से त्वचा पर निखार आता है और वह मुलायम बनती है। आइए जानते हैं कि ड्राई ब्रशिंग के 5 प्रमुख फायदे क्या हैं।

बढ़ता है खून का बहाव

ड्राई ब्रशिंग से त्वचा की सतह पर हल्की-हल्की रेखाएं बनती हैं, जो खून के बहाव को बढ़ाने में मदद करती हैं। जब आप सूखे ब्रश से अपनी त्वचा को रगड़ते हैं तो इससे खून की नसों में बहाव तेज होता है।

इस प्रक्रिया से त्वचा को अधिक ऑक्सीजन और जरूरी पोषण मिलता है, जिससे वह स्वस्थ और चमकदार दिखती है। त्वचा की कोशिकाओं तक पोषण पहुंचने से उसकी ताजगी बनी रहती है और वह अधिक निखरी हुई लगती है।

साफ होती है मृत त्वचा

ड्राई ब्रशिंग त्वचा पर जमा मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने में मदद करती है। हमारी त्वचा पर हर दिन मृत त्वचा कोशिकाओं की परत बनती रहती है, जिसे हटाना जरूरी होता है, ताकि नई और स्वस्थ कोशिकाएं बन सकें।

सूखे ब्रश से रगड़ने पर ये मृत त्वचा कोशिकाएं आसानी से निकल जाती हैं और त्वचा साफ और निखरी हुई लगती है। यह प्रक्रिया त्वचा को मुलायम और चमकदार बनाती है।

विषाक्त पदार्थ होते हैं दूर

ड्राई ब्रशिंग शरीर में मौजूद जहरीले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करती है। यह शरीर की सफाई करने वाले तंत्र को सक्रिय करती है, जो हमारे शरीर को अंदर से साफ रखने का काम करता है।

सूखे ब्रश से त्वचा को रगड़ने पर खून का बहाव तेज होता है, जिससे जहरीले तत्व आसानी से शरीर से बाहर निकलते हैं। इससे त्वचा को ताजगी मिलती है और वह अधिक स्वस्थ दिखती है।

तनाव को कम करने में सहायक

ड्राई ब्रशिंग न केवल त्वचा पर असर डालती है, बल्कि यह मानसिक तनाव को भी कम करने में मदद करती है। जब आप नियमित रूप से ड्राई ब्रशिंग करते हैं तो यह प्रक्रिया आपके मन को शांत करती है और आपको अधिक आराम महसूस होता है।

यह आपकी दिनचर्या का हिस्सा बनकर आपके जीवन में ताजगी लाती है। यह न केवल त्वचा को निखारती है, बल्कि आपके मूड को भी बेहतर बनाती है।

त्वचा बनती है मुलायम और चमकदार

ड्राई ब्रशिंग से त्वचा की बनावट में सुधार होता है। जब आप सूखे ब्रश से त्वचा को रगड़ते हैं तो इससे त्वचा की सतह पर मौजूद गंदगी और तेल हट जाते हैं।

यह प्रक्रिया त्वचा को साफ और मुलायम बनाती है। साथ ही, त्वचा पर निखार आता है, जिससे वह प्राकृतिक रूप से चमकदार दिखती है।

ड्राई ब्रशिंग से त्वचा पर नमी बनी रहती है और उसकी ताजगी लंबे समय तक बनी रहती है।

हर साल कपड़ों का 9.2 करोड़ टन कचरा... ट्रेंड से परेशान है एनवायरमेंट?

कपड़ों को खरीदने के तरीकों में बड़ा बदलाव आया है। ऑनलाइन क्लॉथ मिलने की वजह से अब फास्ट फैशन ट्रेंड करने लगा है। लेकिन कपड़ों से जमा होने वाला कचरा एनवायरमेंट के लिए मुसीबत बन गया है।

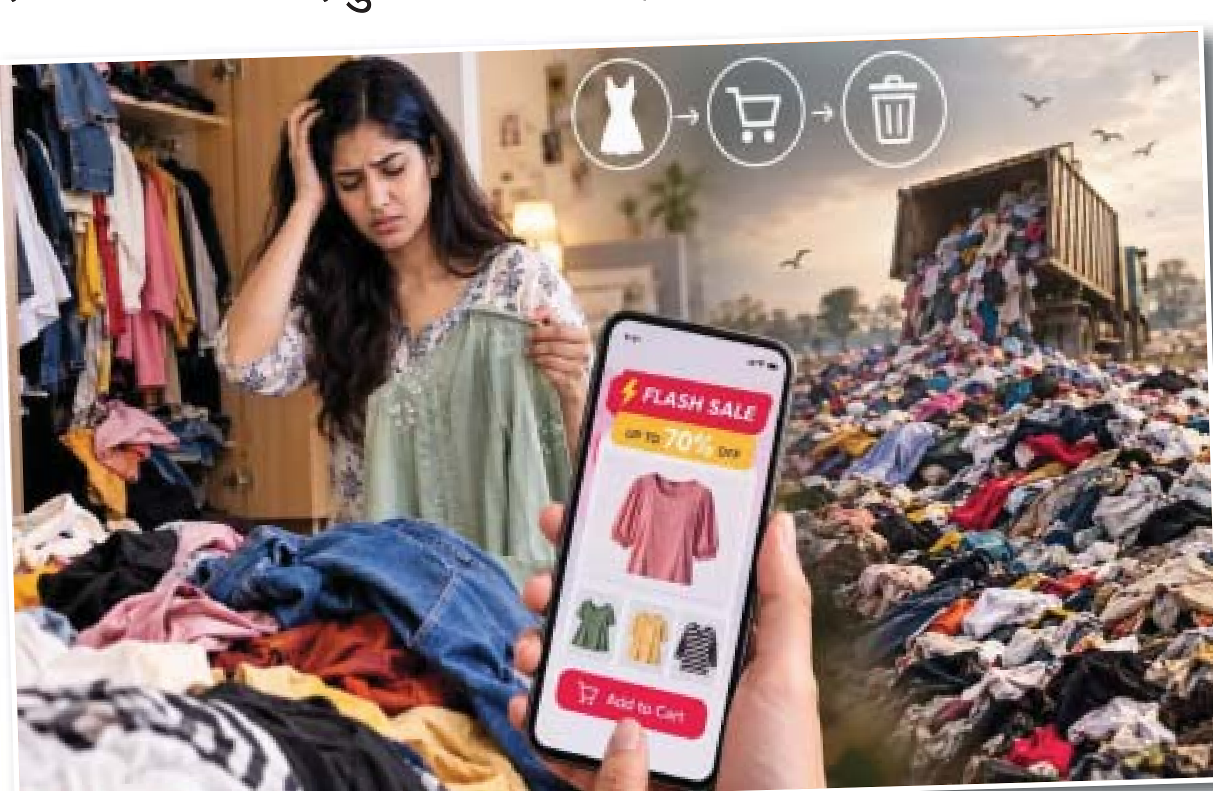

आज क्या पहनूं ऑफिस जाने की जल्दी में नेहा ने अलमारी खोली तो सारे कपड़े उसके ऊपर ही आ गिरे। जींस,टॉप कुर्ते, ट्राउजर अलमारी भरी हैं लेकिन मन भारी हैं कि पहनने को कुछ है ही नहीं या दुविधा है क्या पहनूं। जल्दी में निकाला एक पुराना कुर्ता और पहन लिया ।शाम को मोबाइल पर ऑनलाइन सेल का नोटिफिकेशन आता है। नया टॉप देखकर वो तुरंत कार्ट में डाल देती है।

ये सिर्फ नेहा की कहानी नहीं हैं नेहा में बहुत सी लड़कियों को अपनी परेशानी नजर आ सकती है।जरूरत से ज्यादा कपड़े फैशन, ट्रेंड, सेल और ऑनलाइन शॉपिंग की वजह से अलमारी में जमा होते जा रहे हैं।

फास्ट फैशन ने बदला कपड़े खरीदने का पैटर्न

फास्ट फैशन मतलब ऐसे कपड़े जिनका ट्रेंड जितनी तेजी से आता है उतनी ही तेजी से चला भी जाता है। कोई एक ट्रेंड आया,देखते ही देखते वैसे कपड़े ना सिर्फ बाजार भर में दिखे ऑनलाइन भी वहीं सब दिखने लगा। और कीमत भी कम है तो खरीदना भी आसान है। ऑनलाइन शॉपिंग ने इसमें एक और पैसिलिटी जोड़ दी कि बस फ़ोन उठाया देखा और ऑर्डर हो गया। कई बार तो ऐसा भी होता है, आप फ़ोन पर कुछ और काम कर रहें होते हैं लेकिन 70% ऑफ का नोटिफिकेशन या लिमिटेड टाइम ऑफर या स्पेशल डील देखकर आप काम गए भूल और खरीद लिया डिस्काउंटेड पीस। जरूरत हो या नहीं।

इसलिए कपड़े खरीदने और उन्हें पहनने के बीच का समय लगातार कम होता जा रहा है। यूनाइटेड नेशन एनवायरमेंट प्रोग्राम के हिसाब से साल 2000 से 2015 के बीच कपड़ों का प्रोडक्शन दोगुना हुआ, लेकिन लोग अब कपड़ों को पहले के मुकाबले कम समय तक पहनते हैं यानि कम रिपीट करते हैं।

हर साल कपड़ों का 9.2 करोड़ टन कचरा

अब इस खरीदारी का बड़ा असर जान लेते हैं। दुनिया में हर साल करीब 9।2 करोड़ टन टेक्सटाइल वेस्ट पैदा होता है। यानी हर सेकंड लगभग एक कचरा ट्रक जितने कपड़े लैंडफिल या जलाने के लिए जा रहा है। बात सिर्फ पुराने कपड़ों की नहीं है। जो कपड़े कम पहने जाते हैं, जल्दी पुराने लगने लगते हैं या ट्रेंड से बाहर हो जाते हैं, वे भी इसी कचरे में शामिल होते हैं। अलमारी में जगह कम होने की समस्या धीरे-धीरे शहरों के कचरे की समस्या बनती जा रही है।

दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रोफेसर शिमला में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज के फैलो संजय भट्ट कहते हैं वेस्ट यानि कचरा एक ऐसी चीज है जिसके जिम्मेदारी ना तो कंपनियों ने ली है ना सरकारों ने। ना हीं कंपनियों ने इसके लिए कोइ फैसिलिटी रखी।

दूसरी बात हमें बचपन में कभी नहीं सिखाया गया कि वेस्ट हमारी जिम्मेदारी है अब अगर कंपनियों का वॉल्यूम बढ़ेगा तो वेस्ट बढ़ेगा। सरकार को वेस्ट मैनेजमेंट का अलग विभाग बनाना चाहिए। वेस्ट मैनेजमेंट की टैकनीक महंगी है आम आदमी नहीं कर सकता और अमीर इसलिए इसमें नहीं पड़ते क्योंकि कचरा सुनते ही रिस्पेक्टबल नहीं लगता ।

एक ड्रेस बस एक कपड़ा नहीं

एक कपड़ा तैयार होने से पहले कई स्टेज से गुजरता है। फाइबर तैयार होता है, कपड़ा बनता है, रंगाई होती है, सिलाई होती है और फिर पैक होकर दुकान या हमारे घर तक पहुंचता है। इस पूरे प्रोसेस में पानी और एनर्जी लगती है।यूएनईपी कहता है टेक्सटाइल इंडस्ट्री हर साल 86 मिलियन ओलंपिक साइज के स्विमिंग पूल के बराबर पानी इस्तेमाल करती है।

दुनिया में होने वाले कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में टेक्सटाइल इंडस्ट्री की हिस्सेदारी करीब 2 से 8 फीसदी है। कपड़ों में इस्तेमाल होने वाले सिंथेटिक फाइबर भी चिंता की वजह हैं। साल 2023 में दुनिया के सिर्फ करीब 8 फीसदी टेक्सटाइल फ्रेबिक रीसाइकिल्ड सोर्स से आए थे।

रीसाइकिल करना भी आसान नहीं

अक्सर लगता है कि पुराने कपड़े रिसाइकिल हो जाएंगे और परेशानी खत्म। लेकिन हर कपड़ा आसानी से नया कपड़ा नहीं बन जाता। अलग-अलग फैब्रिक, कलर, डिजाइन और कपड़ों में लगी दूसरी चीजें रिसाइकिलिंग को मुश्किल बनाती हैं। टेक मेक एंड वेस्ट के सिद्धांत को खत्म करने के लिए काम कर रही इंटरनेशनल चैरिटी इंस्टीट्यूट एलेन मैकआर्थर फाउंडेशन कहती है कपड़ों में इस्तेमाल मैटिरियल का 1 फीसदी से भी कम हिस्सा नए कपड़े बनाने के लिए दोबारा इस्तेमाल हो पाता है।

हमें कितने कपड़ों की जरूरत है

फास्ट फैशन का इम्पैक्ट कम हो इसका मतलब ये नहीं कि आपका नए कपड़े खरीदना गलत है। सवाल ये है पार्थ क्या हम जरूरत के लिए खरीद रहें हैं या इसलिए कि वो सेल में हैं और फैशन में कई बार लोग फ्लांट करते हैं मैं कपड़े रिपीट नहीं करती। लेकिन किसी कपड़े को रिपीट करना उसकी केयर करना, जरूरत न हो तो किसी और को देना, पुराने कपड़े इस्तेमाल करना और खरीदने से पहले एक जरूरी थॉट देना ये सब कपड़ों की उम्र बढ़ा सकते हैं।

क्योंकि बात सिर्फ आपकी अलमारी में रखे कपड़ों की गिनती की नहीं हैं कितने यूज हो रहें हैं कितने स्पेस घेर रहें हैं असल सवाल ये है। इसलिए अगली बार ऑनलाइन सेल में Buy Now दबाने से पहले ये जरूर सोचिएगा कि क्या मेरे पास ये पहले से नहीं है या इसकी कितनी जरूरत है।

फैटी लिवर की है दिक्कत, पेशेंट को दूध पीना चाहिए या नहीं? डॉक्टर ने दिया जवाब

आज भारत में ज्यादातर लोग फैटी लिवर का शिकार हैं। खराब खानपान और फिजिकली एक्टिव न होने की वजह से लिवर की हेल्थ कम उम्र में भी खराब होने लगी है। इसमें सबसे ज्यादा होने वाली समस्या फैटी लिवर की है। इसके बढ़ने पर लिवर से मिलने वाले पोषक तत्वों पर असर पड़ता है। कम उम्र में ही स्किन का डल नजर आना, हर समय एसिडिटी या अपच जैसी कई दिक्कतें शरीर में लगातार होने लगते हैं।

इसलिए फैटी लिवर अगर अल्ट्रासाउंड में निकले तो खानपान का खास ख्याल रखने की सलाह दी जाती है। इसी से जुड़ा एक सवाल है कि फैटी लिवर होने पर दूध पीना चाहिए या नहीं। चलिए आपको डॉक्टर के जरिए इसका जवाब देते हैं...

फैटी लिवर होने पर दूध पीना चाहिए या नहीं

डॉक्टर कुणाल दास (डायरेक्टर, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, हेपेटोलॉजी एंड एंडोस्कोपी, यशोदा मेडिसिटी) कहते हैं कि फैटी लिवर होने का मतलब यह नहीं है कि मरीज को दूध पूरी तरह छोड़ देना चाहिए। अगर दूध आसानी से पचता है और उससे कोई परेशानी नहीं होती, तो इसे सामान्य मात्रा में लिया जा सकता है। हां, दूध का चुनाव करते समय उसकी फैट और कैलोरी पर ध्यान देना जरूरी है। खासकर ऐसे मरीज जिनका वजन ज्यादा है या जिन्हें डायबिटीज और कोलेस्ट्रॉल की समस्या है, उनके लिए टोंड या लो-फैट दूध एक बेहतर विकल्प हो सकता है।

फैटी लिवर में अक्सर मरीज किसी एक चीज को लेकर परेशान रहते हैं कि क्या खाना है और क्या बिल्कुल नहीं खाना है। लेकिन लिवर पर असर सिर्फ दूध या किसी एक खाद्य पदार्थ से नहीं पड़ता। ज्यादा मीठा खाना, शुगर वाली ड्रिंक्स, तला-भुना और जरूरत से ज्यादा कैलोरी लेना ज्यादा बड़ी चिंता है। इसलिए दूध बंद करने के बजाय पूरी डाइट को संतुलित करना ज्यादा जरूरी है।

लैक्टोज इनटॉलरेंस वाले रखें खास ख्याल

अगर किसी को दूध पीने के बाद गैस, पेट फूलना या दस्त जैसी शिकायत होती है, तो यह लैक्टोज इनटॉलरेंस की वजह से हो सकता है। ऐसे में डॉक्टर से सलाह लेकर दूध की मात्रा कम करने या दूसरे विकल्प लेने पर विचार किया जा सकता है।

फैटी लिवर में सबसे अहम चीज वजन को नियंत्रित रखना और नियमित रूप से शारीरिक गतिविधि करना है। रोज की डाइट में छोटे-छोटे बदलाव और नियमित व्यायाम लिवर में जमा फैट को कम करने में काफी मदद कर सकते हैं।

इसलिए मरीजों को डरने या अनावश्यक रूप से कई चीजें छोड़ने के बजाय अपनी पूरी लाइफस्टाइल पर ध्यान देना चाहिए।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में नेट इनफ्लो अगस्त में 29,329 करोड़ रुपए रहा, एयूएम 87 लाख करोड़ रुपए के पार

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में अगस्त में नेट इनफ्लो मासिक आधार पर 4,631.23 करोड़ रुपए बढ़कर 29,328.62 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि जुलाई में 24,697.39 करोड़ रुपए था। यह जानकारी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की ओर से गुरुवार को जारी किए गए डेटा में दी गई।

अगस्त में सबसे अधिक 7,973.33 करोड़ रुपए का नेट इनफ्लो स्मॉलकैप फंड्स में दर्ज किया है। इस कैटेगरी में जुलाई में 7,767.50 करोड़ रुपए का नेट इनफ्लो आया था। वहीं, मिडकैप फंड्स में 6,989.40 करोड़ रुपए का नेट इनफ्लो आया है, जो कि पहले 6,192.31 करोड़ रुपए था।

फ्लेक्सी कैप फंड्स में 5,059.42 करोड़ रुपए का नेट इनफ्लो दर्ज किया गया है, जो कि पहले 4,709.08 करोड़ रुपए था। इसके अलावा, लार्जकैप फंड्स में नेट इनफ्लो -1,147.36 करोड़ रुपए रहा है, जुलाई में भी इस कैटेगरी में -1,321.69 करोड़ रुपए की निकासी देखी गई थी।

लार्ज एंड मिडकैप फंड्स में अगस्त में 3,872.79 करोड़ रुपए का नेट इनफ्लो दर्ज किया गया है, जबकि जुलाई में यह आंकड़ा 3,425.37 करोड़ रुपए था। इसके अलावा, अगस्त में मल्टीकैप फंड्स में 3,732.77 करोड़ रुपए, कॉन्ट्रा फंड्स में 1,328.01 करोड़ रुपए और फोकस्ड फंड्स में 994.74 करोड़ रुपए का नेट इनफ्लो दर्ज किया गया है। अगस्त में इक्विटी ईटीएफ में 7,237.49 करोड़ रुपए का नेट इनफ्लो दर्ज किया गया है।

अगस्त में म्यूचुअल फंड्स इंडस्ट्री का कुल एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बढ़कर 87.07 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो जुलाई में 85.75 लाख करोड़ रुपए पर था। इस हफ्ते की शुरुआत में, सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के डेटा में बताया गया कि कि बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद म्यूचुअल फंड में नेट एसआईपी इनफ्लो वित्त वर्ष 26 में रिकॉर्ड 2 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया।

वित्त वर्ष 26 में कुल 3.5 लाख करोड़ रुपए के एसआईपी निवेश में नेट एसआईपी इनफ्लो का हिस्सा लगभग 56 प्रतिशत था, जो तीन सालों में सबसे उच्चतम स्तर है। वित्त वर्ष 25 में यह हिस्सा 54 प्रतिशत था।

सड़कों से आगे बढ़े मोनेटाइजेशन, रेल और शहरी इंफ्रा में प्राइवेट पूंजी लाना जरूरी: एनसीएईआर

भारत को रेल, शहरी और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में प्राइवेट पूंजी लाने के लिए मोनेटाइजेशन मॉडल की जरूरत है। यह बात एनसीएईआर के डायरेक्टर जनरल सुरेश गोयल ने कही।

नई दिल्ली में सीआईआई के सालाना इंफ्रास्ट्रक्चर समिट 'रेविटालिंसिंग प्राइवेट कैपिटल फॉर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट' में बुधवार को सुरेश गोयल ने कहा कि भारत की इंफ्रास्ट्रक्चर मोनेटाइजेशन स्ट्रैटेजी को सड़कों से आगे बढ़ने की जरूरत है। रेलवे, स्ट्रैटेजिक इंफ्रास्ट्रक्चर और शहरी कनेक्टिविटी में प्राइवेट कैपिटल लाने के लिए पीपीपी मोड और कंसेशन फ्रेमवर्क जैसे नए मॉडल की जरूरत है।

गोयल ने कहा कि भारत इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में एक स्ट्रैटेजिक मोड़ पर है। सड़क सेक्टर के मोनेटाइजेशन ने दिखाया है कि अच्छी तरह से तैयार कंसेशन फ्रेमवर्क निवेशकों को आकर्षित कर सकता है, लेकिन इस मॉडल को अन्य सेक्टर में अभी तक सफलतापूर्वक नहीं अपनाया गया है।

उन्होंने एनएचएआई के कंसेशन फ्रेमवर्क का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि हाईवे प्रोजेक्ट में सबसे बड़ा जोखिम प्रतिस्पर्धी रूट के आने से रेवेन्यू कम होना है। इसके लिए मौजूदा फ्रेमवर्क में टारगेट रेवेन्यू तय किया जाता है। अगर वास्तविक रेवेन्यू कम रहता है तो कंसेशन अवधि बढ़ा दी जाती है और ज्यादा होने पर अवधि घटा दी जाती है। इस मॉडल को ग्लोबल निवेशकों ने अपनाया है और इसने एनएचएआई एसेट्स के मोनेटाइजेशन में काफी मदद की है। उन्होंने कहा कि अब चुनौती इस सफल फ्रेमवर्क को रेलवे और अन्य सेक्टर में लागू करने की है।

समिट में नीति आयोग में पीपीपी प्रोग्राम डायरेक्टर पार्थ सारथी रेड्डी ने कहा कि पीपीपी इकोसिस्टम हाईवे, पोर्ट और एविएशन से आगे बढ़कर रेलवे, हेल्थकेयर, सॉलिड वेस्ट और वॉटरवेज जैसे क्षेत्रों में फैल रहा है। हर एसेट की विशेषता और रिस्क प्रोफाइल के आधार पर सही पीपीपी मॉडल तय करना होगा।

सीआईआई इंफ्रास्ट्रक्चर काउंसिल के चेयरमैन बीवीएन राव ने कहा कि पिछले तीन दशकों से पीपीपी का मतलब पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप है, लेकिन भविष्य के लिए इसका मतलब दृढ़ता, धैर्य और लगन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर देरी वाला प्रोजेक्ट सिर्फ देरी वाली संपत्ति नहीं, बल्कि रुकी हुई नौकरियां और धीमी प्रगति है। अगर प्राइवेट कैपिटल चाहिए तो प्रोजेक्ट को पूरा करना उतना ही जरूरी है जितना आइडिया सोचना।

सीआईआई की पीपीपी पर नेशनल कमिटी के चेयरमैन विनायक चटर्जी ने दो बड़ी रुकावटें गिनाईं। पहली, भरोसेमंद और पर्याप्त शवल-रेडी प्रोजेक्ट पाइपलाइन का न होना। अगले पांच साल के लिए आज लगभग 45.6 लाख करोड़ रुपए की पाइपलाइन की जरूरत है। दूसरी, प्राइवेट सेक्टर के लिए समान अवसर न होना।

उन्होंने 8 सुधार सुझाए, जिसमें '3पी इंडिया' को संस्थागत रूप देना, स्वतंत्र सेक्टर रेगुलेटर, एनएबीएफआईडी को मेगा-प्रोजेक्ट्स का ढांचा तैयार करने की जिम्मेदारी, प्लग-एंड-प्ले मॉडल और अलग इंफ्रास्ट्रक्चर फंड बनाना शामिल है।

सही तस्वीर दिखाता है : केंद्र ने जीएसटी ग्रोथ अनुमानों की आलोचना को खारिज किया

केंद्र सरकार ने जीएसटी रेवेन्यू ग्रोथ के अपने हिसाब-किताब की आलोचना को खारिज कर दिया है। सरकार का कहना है कि तुलना एक जैसे आधार पर की जानी चाहिए, न कि अलग-अलग टैक्स बेस के बीच।

सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेस एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) ने बुधवार को एक बयान में कहा कि हर महीने जारी होने वाले जीएसटी रेवेन्यू के आंकड़े पूरी जानकारी के साथ जीएसटी रेवेन्यू परफॉर्मेंस की सही तस्वीर दिखाते हैं।

सीबीआईसी के बयान में कहा गया है कि जीएसटी काउंसिल ने तंबाकू और उससे जुड़े उत्पादों को छोड़कर बाकी सभी चीजों पर 22 सितंबर, 2025 से कंपनसेशन सेस को बंद करने का फैसला किया था। तंबाकू और उससे जुड़े उत्पादों पर सेस भी 1 फरवरी, 2026 से हटा दिया गया था। इसलिए, इस अवधि के लिए कोई सेस कलेक्शन नहीं हुआ। इसे देखते हुए, नवंबर 2025 (जीएसटी रेट में बदलाव के बाद पहला टैक्स पीरियड) से, पब्लिक डोमेन में जारी जीएसटी रेवेन्यू के आंकड़ों में कंपनसेशन सेस को नीचे एक टेबल में अलग से दिखाया गया था, और साल-दर-साल ग्रोथ की गणना संबंधित अवधियों के लिए सीजीएसटी, एसजीएसटी और आईजीएसटी वाले टैक्स बेस पर की गई थी। बयान में कहा गया है कि पूरी जानकारी देने के लिए एक फुटनोट भी शामिल किया गया था।

सीबीआईसी ने कहा, ग्रोथ रेट तभी सार्थक होती है जब उसकी गणना तुलना करने लायक आधार पर की जाए, यानी तुलना के दोनों तरफ़ एक ही तरह के लेवी (टैक्स) हों। नहीं तो, यह सेब और संतरे की तुलना करने जैसा है। ग्रोथ के आंकड़े का मकसद यह दिखाना है कि टैक्स बेस में कैसे बदलाव आया है। हर महीने जारी होने वाले जीएसटी रेवेन्यू के आंकड़े पूरी जानकारी के साथ जीएसटी रेवेन्यू परफॉर्मेंस की सही तस्वीर दिखाते हैं। जब कोई लेवी कानून में खत्म हो गई हो, तो उसे बेस में बनाए रखने से कुछ और ही पता चलता है। यह न तो गणितीय रूप से सही है और न ही इसका कोई तार्किक मतलब है। सीबीआईसी के बयान में आगे कहा गया, इसलिए, दो अलग-अलग टैक्स बेस से आंकड़ों को चुनकर पेश करने की कोई भी कोशिश पूरी तरह से गुमराह करने वाली और शरारतपूर्ण है। सही विश्लेषण के लिए एक जैसी चीजों की तुलना होनी चाहिए, न कि दो बुनियादी रूप से अलग डेटासेट की तुलना करके नागरिकों को गुमराह किया जाना चाहिए।

ईरान-चीन ने एआई को बनाया हथियार, एंथ्रोपिक ने खोले खतरनाक राज

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि ईरान, चीन और स्टेट स्पॉन्सर्ड ग्रुप्स ने उसके एआई मॉडल क्लॉड का इस्तेमाल प्रचार, खुफिया निगरानी, साइबर हमलों और हथियारों से जुड़े कामों में किया। कंपनी के मुताबिक, दिसंबर 2025 से अगस्त 2026 के बीच ऐसी गतिविधियों को पहचानकर रोका गया। कंपनी की ये रिपोर्ट एक रिसर्चर के इस्तीफे के दो दिन बाद आई है, जिसमें रिसर्चर ने दावा किया था कि कंपनी के मॉडल 2030 तक इंसानों के विलुप्त होने का कारण बन सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, एंथ्रोपिक ने ईरान से जुड़े मामलों में तीन राज्य-समर्थित अकाउंट हटाए। ये ईरान के संस्कृति मंत्रालय के इस्लामिक कल्चर एंड कम्युनिकेशंस ऑर्गनाइजेशंस, खोरासान रजवी के इस्लामिक प्रोपेगैंडा ऑफिस और इस्लामिक प्रोपेगैंडा ऑर्गनाइजेशन के बीना कल्चरल ऑब्जर्वेटरी से जुड़े थे। क्लॉड से इन अकाउंट्स ने प्रोपेगैंडा कैंपेन, स्ट्रैटेजिक डॉक्यूमेंट, फर्जी प्रोफाइल और टारगेट डेटाबेस तैयार किए। सरकारी बुलेटिनों को फारसी, अरबी, उर्दू, मलय, स्पेनिश और अंग्रेजी में बदला गया और 20 भाषाओं तक कैंपेन की प्लानिंग थी। ये कंटेट X, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम, टिकटॉक और यूट्यूब जैसे सोशल साइट्स पर फैलाई गई।

ईरान के इन अकाउंट ने IRGC प्रवक्ता की आवाज में संदेश तैयार किए। युद्ध के दौरान CSIS, Brookings और RAND जैसी पश्चिमी संस्थाओं के नाम से झूठे दावे फैलाए गए। एक ईरान-लिंक्ड अकाउंट ने खुले सोर्स की जानकारी जुटाकर अमेरिकी नौसैनिक बलों को निशाना बनाने के लिए सिफारिशें तैयार कीं। इसमें सैन्य तस्वीरों से कर्मियों के नाम, जहाज-विमान के ट्रांसपोंडर नंबर, सैटेलाइट इमेजरी स्क्रिप्ट और नौसैनिक गतिविधियों वाली वेबसाइटों की लिस्ट जुटाई गई। जहाजों के सैटेलाइट टर्मिनल और कंट्रोल सिस्टम की कमजोरियों पर जानकारी ली गई।

इसी अकाउंट ने ईरान के घरेलू निगरानी प्लेटफॉर्म के लिए ऑटोमैटिक नंबर प्लेट पहचान और मोबाइल डिवाइस को पकड़ने वाली तकनीक पर काम किया। एक प्राइवेट टेलीग्राम ग्रुप के 244 मेंबर्स के डेटा से उनके सामाजिक संबंधों का नक्शा बनाया गया। दूसरे ईरान-लिंक्ड अकाउंट ने इजराइल और यहूदी डायस्पोरा के सैकड़ों लोगों की प्रोफाइलिंग के लिए ओपन सोर्स इंटेलिजेंस टूल बनाया। साथ ही मैलवेयर में बदलाव और उसे छिपाने की तकनीक डेवलप की। ईरान के एक दूसरे प्रोपैगेंडा कैंपेन में फ्री क्लॉड अकाउंट्स से मैलवेयर, फिशिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और फेक वेबसाइट्स बनाई गईं। एंथ्रोपिक ने ये अकाउंट बंद किए और इस मामले की जानकारी अमेरिकी सरकार को दी।

एंटी-टॉरपीडो वेपन के लिए इस्तेमाल

एंथ्रोपिक ने चीन से जुड़े एक मामले में बताया कि क्लॉड का इस्तेमाल पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी के लिए एंटी-टॉरपीडो वेपन सिस्टम डेवलप करने में किया गया। एक चीनी डिफेंस इंडस्ट्री से जुड़े एक्टर ने क्लॉड से एंटी-टॉरपीडो फायर-कंट्रोल सिस्टम की चीनी भाषा में रूपरेखा, 200 से ज्यादा पन्नों का तकनीकी प्रस्ताव और प्रेजेंटेशन तैयार किया। उसने अमेरिकी एंटी-टॉरपीडो और एंटी-सबमरीन प्रोग्राम से अपनी प्रणाली की तुलना भी की और अमेरिकी नौसेना पर ब्रीफिंग बनाई। एंथ्रोपिक ने चीन, ईरान और पश्चिम अफ्रीका से जुड़े सर्विलांस कैंपेन को भी रोका। इनमें हांगकांग के लोकतंत्र समर्थक लोग, तिब्बती और फालुन गोंग समुदाय, ईरानी अल्पसंख्यक और सरकार विरोधी लोग निशाने पर थे। माली के नेशनल सिक्योरिटी कॉन्ट्रैक्टर ने क्लॉड से खुफिया सॉफ्टवेयर तैयार किया। रिपोर्ट में रूस की जासूसी, साइबर हमलों और रूस, मलेशिया, ईरान और बांग्लादेश में प्रोपेगैंडा कैंपेन का जिक्र है। साथ में यमन, चीन और रूस में बंदूक, मिसाइल, ड्रोन, बम और अन्य हथियारों से जुड़े सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल का भी जिक्र है।

बायोवेपन पर एंथ्रोपिक की चेतावनी

एंथ्रोपिक की रिपोर्ट में AI के इस्तेमाल से जैविक हथियार यानी बायोवेपन बनाने के खतरे को गंभीर बताया गया है। कंपनी ने ऐसे मामलों का पता लगाया, जहां वैज्ञानिकों ने उसके AI मॉडल की सुरक्षा व्यवस्था को दरकिनार कर जैविक शोध में मदद लेने की कोशिश की। एक मामले में चिकनगुनिया वायरस पर स्टेट स्पॉन्सर्ड रिसर्च के लिए AI का इस्तेमाल किया गया। यह रिसर्च वैक्सीन बनाने के लिए भी हो सकता थी, लेकिन इसका जुड़ाव मिलिट्री रिसर्च इंस्टीट्यूट से होने की वजह से चिंता बढ़ गई। एंथ्रोपिक ने कहा कि AI जितना सक्षम होगा, उसके गलत इस्तेमाल का खतरा उतना ही बढ़ेगा।

कंपनी का कहना है कि AI अब कुछ मामलों में इंजीनियरिंग कर्मचारियों की जगह ले रहा है। एंथ्रोपिक ने चेतावनी दी कि मॉडल ज्यादा सक्षम होंगे तो उनके दुरुपयोग का खतरा भी बढ़ेगा। इसलिए AI कंपनियों और सरकारों को मजबूत सुरक्षा व्यवस्था बनानी होगी।

बांग्लादेश में पकड़े गए चीन और पाकिस्तान के कई नागरिक

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में पुलिस ने चीन, पाकिस्तान समेत पांच देशों के 63 विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने चटगांव के खुलशी इलाके में एक आठ मंजिला इमारत पर छापेमारी के दौरान सभी को दबोचा है। पुलिस के मुताबिक, ये सभी किराए पर बिल्डिंग लेकर वहां अवैध कैसीनो और वित्तीय धोखाधड़ी का सेंटर चला रहे थे। खुलशी थाना पुलिस के ऑफिसर-इन-चार्ज (OC) मोहम्मद अब्दुर रहीम के मुताबिक, पुलिस को एक गोपनीय सूचना मिली थी। इसके बाद 10 सितंबर को दोपहर करीब 3 बजे जलालाबाद कृष्णचूड़ा रेजिडेंशियल एरिया के रोड नंबर 4 स्थित 8 मंजिला इमारत में छापेमारी की गई। गिरफ्तार किए गए अधिकांश चीनी और पाकिस्तानी नागरिक 'वीजा ऑन अराइवल' या टूरिस्ट वीजा पर आए थे। पुलिस के मुताबिक, हिरासत में लिए गए 63 लोगों में 35 लाओस, 21 पाकिस्तान, पांच चीन, एक वियतनाम और एक नेपाल के नागरिक हैं।

लाल सागर में और बढ़ा खतरा, बाब अल-मंडेब को बंद करने से कितनी दूर हूती?

तेहरान, एजेंसी। लाल सागर में बढ़ता तनाव अब उस मोड़ पर पहुंचता दिखाई दे रहा है, जहां इसका असर सिर्फ यमन या मिडिल ईस्ट तक ही सीमित नहीं रहेगा। अब हूती दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक, बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य को बंद करने के करीब पहुंचते हुए दिख रहे हैं। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के मुताबिक, यमन के हूती आंदोलन यानी अंसार अल्लाह ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने अल-ओमारी गैरीसन पर पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लिया है।

अल-ओमारी गैरीसन की बात करें, तो यह सैन्य अड्डा रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि यह बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य की सुरक्षा से जुड़े इलाकों में स्थित है। अगर हूतियों का यह दावा सही साबित होता है, तो लाल सागर के इस अहम हिस्से में उनकी सैन्य पकड़ पहले के मुकाबले मजबूत हो सकती है। इतना ही नहीं, हूतियों ने यह भी दावा किया है कि उनकी नौसेना ने लाल सागर में स्थित ढाकर द्वीप पर पूरी तरह नियंत्रण स्थापित कर लिया है। उनके मुताबिक, द्वीप को विरोधी बलों से मुक्त करा लिया गया है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और यमनी सरकार की ओर से तत्काल कोई ऑफिशियल रिएक्शन सामने आया है। हाल के दिनों में पश्चिमी यमन के तटीय इलाकों में भारी लड़ाई और हूतियों की बढ़त की खबरों ने चिंता बढ़ाई है। हूती विद्रोही यमन के रणनीतिक लाल सागर तट पर आगे बढ़कर बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य के बेहद करीब पहुंच चुके हैं। हालिया सैन्य बढ़त के बाद हूती लड़ाके इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग और उससे लगे मोचा शहर पर कब्जा कर लिया है। मोचा पर कब्जा करने के बाद वे दक्षिण की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं, पेरिम द्वीप जो मोचा से लगभग 50 मील दक्षिण में स्थित है और तटवर्ती शहर धुबाब अब हूतियों के मुख्य सैन्य निशाने पर हैं। अगर हूती इस पर कब्जा कर लेता है तो कहा जा सकता है कि इस रणनीतिक समुद्री मार्ग पर जोखिम पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गया है। फिलहाल हूती बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य से मात्र 75 किलोमीटर या उससे भी कम दूरी पर हैं। बाब अल-मंडेब की अहमियत को समझना जरूरी है। यह लाल सागर को अदन की खाड़ी और आगे हिंद महासागर से जोड़ता है। एशिया, यूरोप और मध्य-पूर्व के बीच आने-जाने वाले जहाजों के लिए यह एक बेहद महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है। यहां लंबे समय तक सैन्य तनाव या जहाजों की आवाजाही में बाधा आने का मतलब वैश्विक सप्लाई चेन, तेल परिवहन और माल ढुलाई पर सीधा दबाव हो सकता है।

हेमकुंड साहिब यात्रा पर पाकिस्तान में अड़ंगा! वीजा के बाद भी एयरपोर्ट पर रोका सिख श्रद्धालुओं का जत्था

इस्लामाबाद, एजेंसी। श्री हेमकुंड साहिब की यात्रा के लिए भारत आने की तैयारी कर रहे पाकिस्तानी सिख श्रद्धालुओं को बड़ा झटका लगा है। पाकिस्तान ने शुक्रवार को फैसलाबाद एयरपोर्ट पर एक जत्थे को भारत जाने से रोक दिया। इमिग्रेशन अधिकारियों ने यात्रा से पहले नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (NOC) दिखाने को कहा। श्रद्धालुओं का कहना है कि उनसे पहले कभी इस तरह के सर्टिफिकेट नहीं मांगी गई।

जत्थे के नेता पपिंदर सिंह के मुताबिक, श्रद्धालुओं को शुक्रवार सुबह करीब 2:10 बजे फैसलाबाद से शारजाह के लिए उड़ान भरनी थी। इसके बाद शारजाह से दिल्ली पहुंचना था। लेकिन एयरपोर्ट पर उन्हें फ्लाइट में चढ़ने से पहले रोक दिया गया। उन्होंने बताया कि उनकीफैसलाबाद-शारजाह की फ्लाइट पहले ही छूट

चुकी है और शारजाह से दिल्ली की आगे की फ्लाइट भी छूट जाएगी।

भारत की ओर से श्री हेमकुंड साहिब जाने के लिए सिख श्रद्धालुओं को 92 वीजा जारी किए थे। जत्थे में शामिल श्रद्धालुओं को दिल्ली, अमृतसर, श्री आनंदपुर साहिब और श्री हेमकुंड साहिब की यात्रा पर निकला था। इसके बावजूद पाकिस्तान ने अचानक NOC के बहाने सभी को एयरपोर्ट पर ही रोक दिया। सभी श्रद्धालु अब पाकिस्तान की ओर से यात्रा की अनुमति मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

जत्थे के लीडर का कहना है कि भारत ने 92 वीज़ा जारी किए थे, लेकिन पाकिस्तान सरकार ने यात्रियों को महंगा दूसरा हवाई रास्ता लेने के लिए मजबूर किया। उन्होंने सारे इंतजाम करने में लगभग 2 करोड़ रुपये खर्च किए थे और अब वे बहुत निराश हैं। NOC की अचानक मांग से उनकी पूरी यात्रा योजना प्रभावित हो गई। अब एयरपोर्ट पर वाहेगुरु से प्रार्थना कर रहे हैं।

अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्तेभेजने का दबाव

जत्थे के लीडर ने बताया कि एयरपोर्ट पहुंचने से पहले, उन्होंने पाकिस्तान पंजाब के सिख माइनॉरिटी मिनिस्टर और पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (PSGPC) के प्रेसिडेंट रमेश अरोड़ा से मुलाकात की थी। आरोप है कि उस दौरान उन्हें हवाई रास्ते से भारत जाने के बजाय अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते सड़क से भेजने की बात कही गई थी। उन्होंने कहा कि श्री हेमकुंड साहिब जाने के लिए NOC का मुद्दा पहले कभी नहीं उठाया गया था, लेकिन जब इमिग्रेशन ने मांगा तो हमने रमेश अरोड़ा से NOC देने के लिए कहा, लेकिन वो भी कुछ कर नहीं पाए। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब अटारी-वाघा बॉर्डर बंद होने के कारण पाकिस्तान से भारत आने वाले सिख श्रद्धालुओं के लिए मुश्किलें पहले से बढ़ी हुई हैं।

पाकिस्तान सरकार की ओर से समाधान का इंतजार

श्रद्धालुओं ने पाकिस्तान सरकार से उन्हें अटारी-वाघा रूट से भारत आने की विशेष अनुमति देने की अपील की है। उनका कहना है कि अगर उन्हें जल्द अनुमति मिलती है तो वे हेमकुंड साहिब की यात्रा से वंचित होने से बच सकते हैं।फिलहाल श्रद्धालु फैसलाबाद एयरपोर्ट पर ही रुके हुए हैं और पाकिस्तान सरकार की ओर से समाधान का इंतजार कर रहे हैं।

टैलेंट-मार्केट और अनुभव ब्रिक्स के मंच से जयशंकर ने बताई भारत की ताकत, दुनिया को दिया ये मैसेज

नई दिल्ली। दिल्ली में BRICS समिट 2026 की शुरुआत कल शनिवार से हो रही है। इससे पहले आज शुक्रवार को BRICS बिजनेस फोरम में विदेश मंत्री एस। जयशंकर ने कहा कि यह दौर उथल-पुथल वाला दौर है। दुनिया में अस्थिरता और जटिलता अब आम बात हो गई है। राजनीतिक और आर्थिक स्तर में बड़े बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में भारत की अगुवाई में इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप इकोसिस्टम को मजबूत करने की कोशिश की गई है। वहीं केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि वह BRICS के सदस्य देशों और पार्टनर देशों से अपील करते हैं कि वे अपने मार्केट खोलें और साथ मिलकर रेगुलेटरी प्रक्रियाओं को आसान बनाने की दिशा में काम करें।

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, “हम ऐसे समय में मिल रहे हैं जब दुनिया की राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था में बड़े स्तर पर बदलाव हो रहे हैं। हमारे आस-पास की दुनिया में अस्थिरता, अनिश्चितता और जटिलता आम बात हो गई है। हम भू-राजनीतिक टकरावों, महामारियों और जलवायु से जुड़ी समस्याओं के आर्थिक असर देख रहे हैं।”

आज के आर्थिक माहौल में जोखिम और मौके दोनों ही : जयशंकर

“साथ ही, तेजी से हो रहे डिजिटलाइजेशन और तकनीकी तरक्की से विकास, उत्पादकता और तरक्की के नए रास्ते खुल रहे हैं। इसका नतीजा एक ऐसा आर्थिक माहौल है जहां जोखिम और मौके दोनों का ही विस्तार हो रहा है, और जहां पहले से अंदाजा लगाने, हालात के हिसाब से ढलने और प्रतिक्रिया देने की क्षमता अधिक अहम होती जा रही है।”

BRICS बिजनेस फोरम के उद्घाटन समारोह में विदेश मंत्री डॉ। जयशंकर ने कहा, “टेक्नोलॉजी हमेशा से इकोनॉमिक्स और जियोपॉलिटिक्स से जुड़ी रही है। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फिनटेक और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग- ये सभी हम लोगों को बड़े अवसर देते हैं, लेकिन इनसे कुछ सवाल भी उठते हैं, जैसे एक्सेस, स्टैंडर्ड, सिक्योरिटी और भरोसे से जुड़े सवाल।”

दुनिया के लिए अपने मार्केट खोलें BRICS के देश : गोयल

उन्होंने आगे कहा, “ऐसे में भारत की अगुवाई में इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप इकोसिस्टम को मजबूत करने की कोशिश की गई है। इसमें सदस्य देशों के स्टार्टअप और इनक्यूबेटर को जोड़ने के लिए BRICS इनक्यूबेटर नेटवर्क और इनोवेशन-बेस्ड एंटरप्रेन्योरशिप को सपोर्ट करने के लिए BRICS स्टार्टअप इनोवेशन फंड भी शामिल हैं।”

इसी फोरम में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आपसी सहयोग की बात करते हुए कहा, “आज BRICS दुनिया के कुल व्यापार का करीब एक-चौथाई हिस्सा है। भारत, BRICS देशों के बीच होने वाले कुल व्यापार का एक अहम स्तंभ भी है। भारत से होने वाले मैन्युफैक्चर्ड एक्सपोर्ट में इंजीनियरिंग के सामान और इलेक्ट्रॉनिक्स का हिस्सा सबसे बड़ा है। भारत को दुनिया की ‘फार्मेसी’ भी कहा जाता है।”

उन्होंने आगे कहा, “हम ब्रिक्स को इन और दूसरे ऐसे ढेरों प्रोडक्ट्स के लिए एक अहम मार्केट के तौर पर देखते हैं, जिन्हें भारत एक भरोसेमंद पार्टनर के तौर पर दुनिया के हर कोने तक पहुंचाना चाहता है। मैं ब्रिक्स के सदस्य देशों और पार्टनर देशों से अपील करता हूं कि आप सभी लोग अपने मार्केट खोलें और साथ मिलकर रेगुलेटरी प्रक्रियाओं को आसान बनाने के साथ-साथ कंसाइनमेंट की तेजी से मंजूरी में मदद करने के लिए काम करें।”

मुंबई को अंतरराष्ट्रीय शहर कैसे कहा जा सकता है...

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में कचरे और गंदगी की समस्या को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट ने BMC को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने शहर की सफाई व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए कहा कि पूरा शहर कचरे और गंदगी से भरा नजर आ रहा है और पालिका की व्यवस्था निष्क्रिय दिखाई दे रही है। अगर वार्ड अधिकारी काम नहीं कर रहे हैं तो उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई करने के अलावा कोई विकल्प नहीं रहेगा।

जस्टिस गिरीश कुलकर्णी और जज नीला गोखले की पीठ ने सुनवाई के दौरान अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। अदालत ने कहा कि कचरे की समस्या को नजरअंदाज करके मुंबई को अंतरराष्ट्रीय शहर कैसे कहा जा सकता है? कोर्ट ने नगर निकाय को व्यवस्था सुधारने के लिए आखिरी मौका दिया है। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान BMC को सख्त चेतावनी देते हुए आखिरी मौका दिया है। कोर्ट ने BMC को सभी 26 वार्डों में सार्वजनिक सड़कों की सफाई और स्वास्थ्य व्यवस्था देखने वाले अधिकारियों की सूची देने को कहा है। साथ ही नगर निकाय को सफाई अभियान से जुड़ी SOP यानी मानक संचालन प्रक्रिया पेश करने का निर्देश दिया।

कोर्ट ने साफ कहा कि यदि किसी सड़क पर कचरा या गंदगी मिलती है और उसके लिए संबंधित अधिकारी जिम्मेदार पाए जाते हैं, तो ऐसे अधिकारियों को हटाया जाना चाहिए।कोर्ट ने अधिकारियों पर झूठे आश्वासन देने और जमीनी स्तर पर अपेक्षित काम नहीं करने पर भी नाराजगी जताई। मामले की सुनवाई कांजूर डंपिंग ग्राउंड से होने वाले वायु प्रदूषण और अन्य समस्याओं को लेकर दायर याचिकाओं पर हुई।

आयुष्मान खुराना फिल्म उड़ता तीर का फर्स्ट लुक जारी, भारत-पाकिस्तान के बीच झूले पर लेटे दिखे अभिनेता

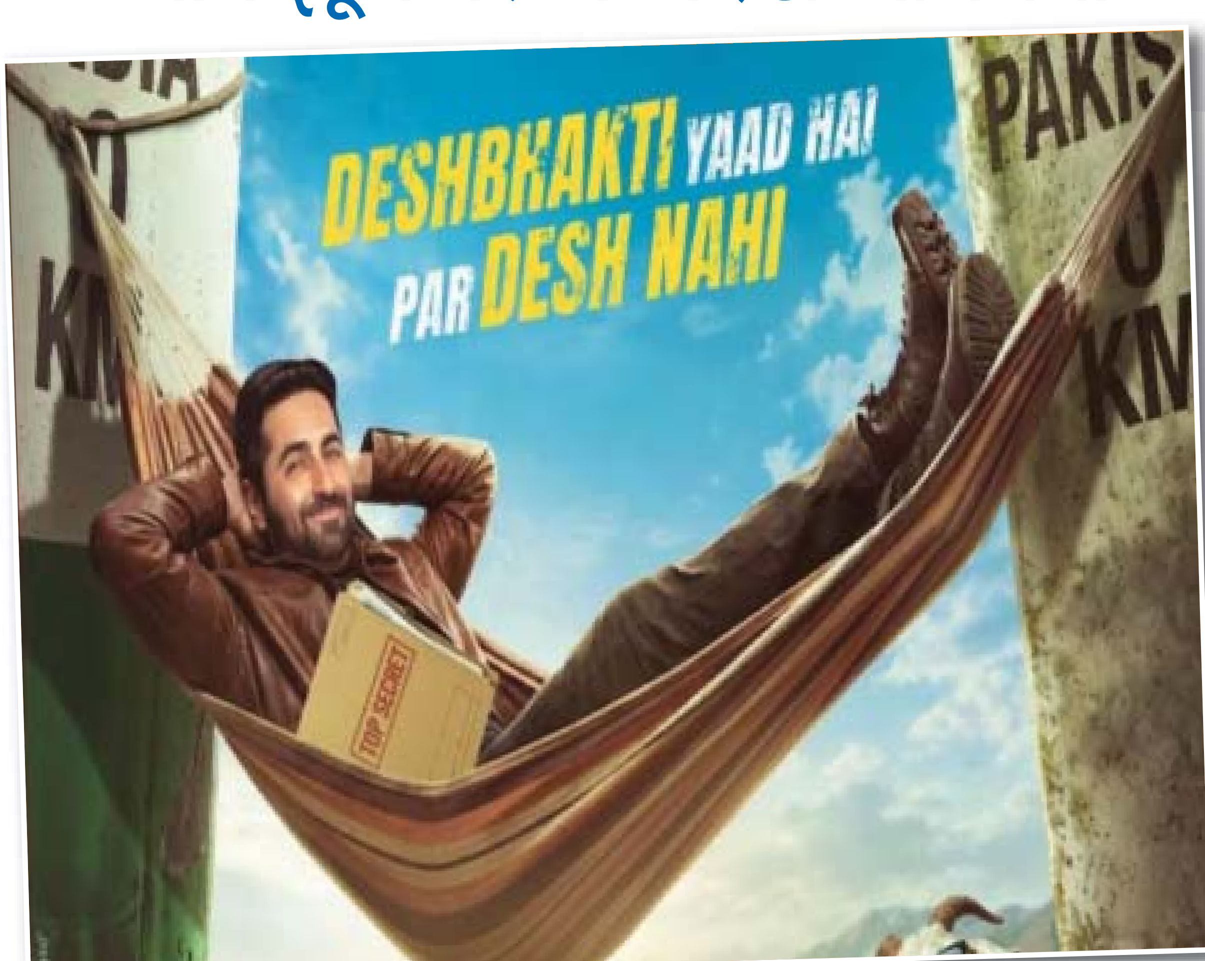

अभिनेता आयुष्मान खुराना अपनी आने वाली फिल्म उड़ता तीर को लेकर लंबे समय से चर्चा में हैं। इस बीच मेकर्स ने अब फिल्म का फर्स्ट लुक जारी कर दिया है। पोस्टर में आयुष्मान का अंदाज किसी आम स्पाई फिल्म के हीरो जैसा बिल्कुल नहीं है। वह भारत और पाकिस्तान के बीच एक झूले पर आराम से लेटे नजर आ रहे हैं और उनके हाथ में टॉप सीक्रेट लिखी फाइल है।

फिल्म कॉमेडी और कन्फ्यूजन से भरपूर है। बुधवार को धर्मा प्रोडक्शन ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का फर्स्ट लुक शेयर किया,साथ ही इसकी नई रिलीज डेट भी अनाउंस की। आयुष्मान खुराना और सारा अली खान स्टारर यह फिल्म अब ९ अक्टूबर २०२६ को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इससे पहले फिल्म की रिलीज ११ सितंबर के लिए तय की गई थी, लेकिन अब इसे कुछ हफ्ते आगे बढ़ा दिया गया है।

पोस्टर की बात करें तो इसमें आयुष्मान दो मील के पत्थरों के बीच झूले पर लेटे दिखाई दे रहे हैं। एक तरफ भारत और दूसरी तरफ पाकिस्तान लिखा हुआ है। उनके हाथ में एक फाइल है, जिस पर टॉप सीक्रेट लिखा है। आमतौर पर स्पाई फिल्मों में जासूस को मिशन पर भागते-दौड़ते या दुश्मनों से लड़ते दिखाया जाता है, लेकिन यहां आयुष्मान का किरदार बॉर्डर के बीच आराम से झूला झूलता नजर आ रहा है।

पोस्ट के ऊपर की तरफ लिखा है, देशभक्ति तो याद है... पर देश नहीं। पोस्ट में मेकर्स ने फिल्म में अनलिमिटेड कन्फ्यूजन और एक्शन का वादा किया गया है। उड़ता तीर में आयुष्मान खुराना के साथ सारा अली खान लीड रोल में हैं। दोनों इससे पहले पति पत्नी और वो दो में साथ नजर आ चुके हैं और अब एक बार फिर उनकी जोड़ी बड़े पर्दे पर दिखाई देगी।

फिल्म को लेकर अभी कहानी की ज्यादा डिटेल सामने नहीं आई है, लेकिन फर्स्ट लुक से इतना जरूर समझ आता है कि इसमें जासूसी, एक्शन और कॉमेडी तीनों का तड़का लगाया गया है। फिल्म को आकाश ए कौशिक ने लिखा और डायरेक्ट किया है। खास बात यह है कि उड़ता तीर उनके डायरेक्शन करियर की शुरुआत है।

फिल्म को धर्मा प्रोडक्शंस और सिख्या एंटरटेनमेंट मिलकर बना रहे हैं। दोनों प्रोडक्शन हाउस इससे पहले किल, ग्यारह ग्यारह और द लंचबॉक्स जैसी फिल्मों के लिए साथ काम कर चुके हैं। इस फिल्म के प्रोड्यूसर्स में करण जौहर, आदार पूनावाला, अपूर्वा मेहता, गुनीत मोंगा कपूर और अचिन जैन शामिल हैं।

लस्ट स्टोरीज का ट्रेलर हुआ जारी, इश्क–तड़प और अनकही ख्वाहिशों से भरपूर कहानी

बहुचर्चित फिल्म श्रृंखला 'लस्ट स्टोरीज़' के तीसरे भाग का ट्रेलर आखिरकार जारी कर दिया गया है। नेटफ्लिक्स की इस चर्चित कहानी श्रृंखला का नया अध्याय प्यार, इच्छा, अंतरंगता और जटिल रिश्तों के इर्द-गिर्द बुनी गई चार अलग-अलग कहानियों को सामने लाता है। अंतरराष्ट्रीय एमी पुरस्कार के लिए नामांकित रह चुकी इस कहानी श्रृंखला में इस बार विक्रमादित्य मोटवाने, किरण राव, शकुन बत्रा और विशाल भारद्वाज निर्देशन करते नजर आएंगे।

ट्रेलर में रिश्तों की भावनात्मक जटिलता के साथ आकर्षण, कमजोरियां, विवाह, आपसी टकराव और ऐसी इच्छाओं को दिखाया गया है, जिन्हें किरदार लंबे समय तक छिपा नहीं पाते। चारों कहानियां अपने अलग अंदाज और दृष्टिकोण के साथ रिश्तों के कई अनदेखे पहलुओं को सामने लाने का प्रयास करती हैं।

'लस्ट स्टोरीज़ ' में राधिका आप्टे, कोंकणा सेन शर्मा, विजय वर्मा, अभिषेक बनर्जी, अली फज़ल, राधिका मदान, अदिति राव हैदरी, सिद्धार्थ, गुरफतेह पीरजादा और सना थम्पी जैसे जाने-माने कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

ट्रेलर में अलग-अलग रिश्तों और परिस्थितियों के बीच फंसे किरदारों की कहानी दिखाई गई है। कहीं आकर्षण और भावनात्मक जुड़ाव है तो कहीं विवाह और रिश्तों के भीतर पैदा होने वाला तनाव कहानी को आगे बढ़ाता है। कुछ स्थितियां हास्य पैदा करती हैं, जबकि कुछ पल दर्शकों को असहज और भावनात्मक रूप से प्रभावित करने वाले नजर आते हैं।

'लस्ट स्टोरीज़' की खासियत इसका कहानी-संग्रह प्रारूप है। इसमें चार अलग-अलग फिल्मकार अंतरंग रिश्तों और मानवीय भावनाओं को अपने-अपने दृष्टिकोण से प्रस्तुत कर रहे हैं।

विक्रमादित्य मोटवाने की कहानी में राधिका आप्टे और कोंकणा सेन शर्मा नजर आएंगी। वहीं, शकुन बत्रा ने अली फज़ल और राधिका मदान को लेकर कहानी तैयार की है।

विशाल भारद्वाज के खंड में सिद्धार्थ और अदिति राव हैदरी की जोड़ी दिखाई देगी। वहीं, किरण राव ने गुरफतेह पीरजादा और सना थम्पी को अपनी कहानी का हिस्सा बनाया है।

इस तरह चारों निर्देशकों की अलग शैली और कलाकारों की विविध जोड़ी श्रृंखला के नए भाग को अलग-अलग रंग देती नजर आ रही है।

ट्रेलर में गंभीर रिश्तों और भावनात्मक टकराव के बीच हास्य तथा अजीब परिस्थितियों को भी जगह दी गई है। कलाकारों के बीच की रसायनात्मक संगति और संवाद कहानी को रोचक बनाने का संकेत देते हैं।

फिल्म की चारों कहानियां रिश्तों के ऐसे पहलुओं को छूती दिखाई देती हैं, जहां इच्छाएं, भावनाएं और सामाजिक अपेक्षाएं एक-दूसरे से टकराती हैं। यही टकराव कहानी में तनाव पैदा करता है और दर्शकों की उत्सुकता बढ़ाता है।

'लस्ट स्टोरीज़ ' का प्रदर्शन १८ सितंबर २०२६ को नेटफ्लिक्स पर किया जाएगा। चार चर्चित निर्देशकों, अनुभवी कलाकारों और रिश्तों को अलग-अलग नजरिए से देखने वाली कहानियों के कारण यह श्रृंखला मंच की सितंबर माह की प्रमुख प्रस्तुतियों में शामिल हो सकती है।

ट्रेलर के सामने आने के बाद अब दर्शकों की नजर १८ सितंबर पर है, जब चारों कहानियों के जरिए प्यार, इच्छा और जटिल रिश्तों की यह नई दुनिया दर्शकों के सामने पूरी तरह खुलकर आएगी।

द वन का पहला गाना समझो ना रिलीज, सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना की जोड़ी ने मचाया धमाल

बहुप्रतीक्षित फिल्म द वन का पहला गाना समझो ना रिलीज हो गया है। गाने में पहली बार सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना रोमांटिक जोड़ी के रूप में नजर आ रहे हैं। दोनों की फ्रेश ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को दर्शकों से खूब पसंद किया जा रहा है और सोशल मीडिया पर उन्हें 'ब्लॉकबस्टर जोड़ी' कहा जा रहा है।

फिल्म के टीजर में जहां रहस्य, रोमांच और लोककथाओं से भरी दुनिया की झलक दिखाई गई थी, वहीं 'समझो ना' कहानी का रोमांटिक पक्ष सामने लाता है। गाने में सिद्धार्थ और तमन्ना के किरदारों के बीच के रिश्ते और उनकी केमिस्ट्री को खूबसूरत अंदाज में पेश किया गया है।

जी म्यूजिक के लेबल के तहत रिलीज हुए इस गाने को तनिष्क बागची ने कंपोज और प्रोड्यूस किया है। जुबिन नौटियाल और सुवर्णा तिवारी ने अपनी आवाज दी है, जबकि गीत मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं। कृष्णा किशोर ने अतिरिक्त लाइव प्रोडक्शन संभाला है और एरिक पिल्लई ने गाने को मिक्स और मास्टर किया है।

जुबिन नौटियाल ने कहा कि 'समझो ना' में खूबसूरत मासूमियत और एहसास है, जिससे वह तुरंत जुड़ गए। उन्होंने तनिष्क बागची की धुन और मनोज मुंतशिर के बोल की सराहना करते हुए कहा कि सिद्धार्थ और तमन्ना की केमिस्ट्री गाने में खास ताजगी लेकर आती है।

'द वन' में भारतीय लोककथाओं को फैंटेसी, रहस्य, रोमांच और हास्य के साथ बड़े सिनेमाई अंदाज में पेश किया गया है। फिल्म का निर्माण बालाजी मोशन पिक्चर्स, टीवीएफ और ११.११ प्रोडक्शन मिलकर कर रहे हैं। अरुणाभ कुमार ने फिल्म लिखी है और दीपक मिश्रा इसके निर्देशक हैं। फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना मुख्य भूमिकाओं में हैं। 'द वन' २५ सितंबर २०२६ को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website : aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com